www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 12 || लखनऊ
रविवार
12 अप्रैल 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:46
सूर्यास्तः 06:29
अधिकतमः 36°00
न्यूनतमः 21°00

पेज 03

विशेष समाचार
भारतीय राजनीति का 'नया भूगोल'... >> पेज 02
'एसआईआर से न सीएम योगी खुश... >> पेज 04
एयरपोर्ट पर पब्लिक के बीच पहुंचीं...

2 घंटे चली मीटिंग, ईरान ने लेबनान पर तुरंत हमला रोकने की मांग की

ईरान-अमेरिका सीजफायर वार्ता का पहला दौर खत्म

बैठक

तमसा संकेत, एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका के बीच जारी सीजफायर वार्ता का पहला राउंड 2 घंटे तक चला। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस दौरान ईरान ने लेबनान पर तुरंत इजराइली हमले रोकने की मांग की है। इस बैठक में एक्सपर्ट्स ने सुरक्षा, राजनीति, सेना, अर्थव्यवस्था और कानून से जुड़े मुद्दों पर बात की। अमेरिका की तरफ से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, जबकि ईरान की तरफ से संसद स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने नेतृत्व किया। यह मीटिंग कल भी जारी रह सकती है। 47 साल पहले यानी 1979 में ईरान की इस्लामिक क्रांति के बाद ये पहली बार था जब दोनों देश के नेताओं ने इतने बड़े स्तर पर आमने-सामने बातचीत की। गालिबाफ ने इस्लामाबाद पहुंचने के बाद एक्स पर एक फोटो शेयर की। इसमें विमान की सीटों पर चार बच्चों की तस्वीरें रखी हैं, जिनके साथ उनके खून से सने स्कूल बैग और जूते रखे हैं और फूल भी रखा है। ईरानी शहर मिनाब में जंग के पहले ही दिन 28 फरवरी को एक प्राइमरी स्कूल पर हमला हुआ था, जिसमें 168 लोगों की मौत हुई थी। इनमें बच्चे और स्कूल का स्टाफ भी शामिल था। इस हमले का आरोप अमेरिका और इजराइल पर लगाया गया था। अमेरिका ने कहा कि वे इस हमले की जांच कर रहे हैं। व्हाइट हाउस ने पुष्टि की है कि अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और अन्य अमेरिकी अधिकारियों ने इस्लामाबाद में ईरान के डेलिगेशन से आमने-सामने मुलाकात की है। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका के बीच जारी सीजफायर वार्ता का पहला राउंड 2 घंटे तक चला।

इससे पहले ईरान ने कहा था कि अगर इस्लामाबाद में चल रही बातचीत किसी नतीजे पर नहीं पहुंची, तो सिर्फ इजराइल को दोष नहीं दिया जा सकता। इजराइल और अमेरिका के फैसले जुड़े हैं, इसलिए वार्ता फेल होने पर जिम्मेदारी अमेरिका पर भी होगी।

अमेरिका के साथ सीजफायर वार्ता से पहले ईरानी डेलिगेशन आपस में बात करते हुए।

पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स

- ईरानी डेलिगेशन पहुंचा- मोहम्मद बाघेर गालिबाफ के नेतृत्व में ईरान का प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद पहुंचा, जहां अमेरिका के साथ अहम बातचीत होनी है।
- ट्रम्प की चेतावनी- डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को चेताया कि पीस डील नहीं हुई तो अमेरिका फिर से हमला करेगा।
- वेंस की सलाह- वेंस ने इस्लामाबाद जाते हुए कहा कि उन्हें बातचीत से अच्छे नतीजों की उम्मीद है, लेकिन ईरान अमेरिका के साथ चालाकी न करे।
- एक और शांतिवार्ता- लेबनान और इजराइल के बीच 14 अप्रैल को अमेरिका में सीजफायर पर बातचीत शुरू होगी।
- सीजफायर वार्ता शुरू- इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरानी नेताओं के बीच सीजफायर वार्ता जारी है।
- प्लेन में बच्चों की तस्वीरें रखकर पाकिस्तान पहुंचे गालिबाफ

सीजफायर वार्ता में शामिल लीडर्स

होर्मुज पर परेशान होने की जरूरत नहीं: ट्रंप

ईरान के होर्मुज स्ट्रेट में नियंत्रण को लेकर डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि दुनिया को इसको लेकर ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है क्योंकि यह कोई अकेला समुद्री रूट नहीं है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि दुनियाभर के लोग देख रहे हैं कि होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने के अलावा और भी काफी विकल्प मौजूद हैं।' डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी प्रतिनिधि शनिवार को पाकिस्तान में ईरान के साथ होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने पर बातचीत करेंगे। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि यह वैश्विक तेल मार्ग बहुत जल् खुल जाएगा भले ही ईरान इसमें सहयोग ना करे। मुझे लगता है कि होर्मुज को खोलने का काम बहुत तेजी से होगा।

ब्रिटेन का कहना है कि यूक्रेन अपनी आधुनिक ड्रोन तकनीक के जरिए होर्मुज स्ट्रेट के इलाके में सुरक्षा बनाए रखने में मदद कर सकता है। इस इलाके से दुनिया के 20% ऑयल का ट्रांसपोर्ट होता है।

ईरान बोला- होर्मुज स्ट्रेट से कोई अमेरिकी जहाज नहीं गुजरा

ईरान ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट से कोई भी अमेरिकी जहाज नहीं गुजरा है। ईरान के सरकारी टीवी IRIB के मुताबिक, एक सीनियर सैन्य अधिकारी ने इन खबरों को गलत बताया है। ईरान का यह भी कहना है कि उसने एक अमेरिकी युद्धपोत को चेतावनी दी थी कि अगर वह होर्मुज स्ट्रेट में आगे बढ़ा तो 30 मिनट के अंदर उस पर हमला किया जाएगा। इसके बाद वह जहाज वापस लौट गया।

यूपी में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

3 आईपीएस अधिकारियों के तबादले, प्राची सिंह को अंबेडकरनगर की कमान

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में शनिवार को उत्तर प्रदेश शासन ने पुलिस महकमे में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए तीन आईपीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए। इस निर्णय के बाद देवरिया और अंबेडकरनगर जिलों में पुलिस नेतृत्व बदल गया है, जिसे कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। तबादला आदेश के अनुसार, देवरिया जिले के पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन को उनके पद से हटा दिया गया है। उन्हें फिलहाल पुलिस मुख्यालय से संबद्ध कर दिया गया है। यह निर्णय प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, हालांकि इसके पीछे के कारणों पर आधिकारिक तौर पर कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है। वहीं, 32वीं वाहिनी पीएसी लखनऊ में सेनानायक के पद पर तैनात 2017 बैच की

आईपीएस अधिकारी प्राची सिंह को अंबेडकरनगर का नया पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। प्राची सिंह की पहचान एक तेज-तर्रार और सक्रिय अधिकारी के रूप में रही है। उनके पास कानून-व्यवस्था के प्रबंधन और प्रशासनिक कार्यों का अच्छा अनुभव है, जिससे जिले में पुलिसिंग को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। इसके अलावा, अंबेडकरनगर के मौजूदा पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर शंकर को देवरिया का नया एसपी बनाया गया है। उन्होंने अंबेडकरनगर में अपने करीब सात महीने के कार्यकाल के दौरान अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कई अभियान चलाए थे। उनके कार्यकाल में पुलिस की सक्रियता और त्वरित कार्रवाई को लेकर कई मामलों में सकारात्मक परिणाम सामने आए थे। इस तबादले को प्रशासनिक संतुलन और पुलिस व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। अधिकारियों के इस बदलाव से संबंधित जिलों में कानून-व्यवस्था की स्थिति को और मजबूत करने की उम्मीद की जा रही है।

'भारत हर संकट से निपटने में सक्षम'

रक्षामंत्री राजनाथ बोले- गल्फ वॉर का देश पर असर नहीं, लखनऊ को लाइब्रेरी-म्यूजियम की सौगात दी

गोमतीनगर जन कल्याण महासमिति के कार्यक्रम में हिस्सा लेने आए रक्षामंत्री ने स्थानीय लोगों का हाथ जोड़कर अभिवादन किया।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में गोमतीनगर जन कल्याण महासमिति का वार्षिकोत्सव मनाया गया। इसमें रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने लक्ष्मण मंडपम समेत 58.27 करोड़ की विकास योजनाओं का लोकार्पण किया। राजनाथ ने कहा- BJP सरकार के रहते देश में कोई बड़ा संकट उत्पन्न नहीं होने दिया जाएगा। कोविड जैसे बड़े वैश्विक संकट का भारत ने मजबूती से सामना किया था। उसी तरह वर्तमान परिस्थितियों से निपटने की क्षमता देश में है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की स्थिति मजबूत है। वर्ल्ड बैंक जैसे संस्थान भी मानते हैं कि भारत किसी भी संकट से निपटने में सक्षम है। गल्फ देशों में चल रहे हालात का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है, लेकिन भारत ने हर चुनौती का मजबूती से सामना किया है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा- आज लखनऊ वालों के लिए सौभाग्य का दिन है। हम सब के प्रिय नेता रक्षा मंत्री राजनाथ ने विकास की कई सौगातें दी हैं। मल्टीलेवल पार्किंग फ्लाईओवर के साथ-साथ पूरे लखनऊ में फ्लाईओवर का जाल बिछाने का काम किया है। जहां फ्लाईओवर नहीं बन सकता था।

>> (शेष पेज 04 पर)

रक्षा मंत्री बोले- वैश्विक संकट के बीच घबराएं नहीं, अफवाहों से रहें दूर

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार लगातार यह सुनिश्चित कर रही है कि आने वाले महीनों में भी किसी तरह का संकट उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि गल्फ देशों में चल रहे हालात का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है, लेकिन भारत ने हर चुनौती का मजबूती से सामना किया है। उन्होंने स्वीकार किया कि वैश्विक संकट के कारण कुछ समय के लिए सीमित प्रभाव पड़ सकता है, लेकिन स्थिति नियंत्रण में है। सरकार पूरी क्षमता और संयम के साथ हालात पर नजर बनाए हुए है। इसके साथ ही पार्कों में ओपन जिम और कम्यूनिटी सेंटर से युवाओं और महिलाओं को काफी फायदा हो रहा है।

फास्ट न्यूज

महिला आरक्षण कानून को राजनीतिक हथियार न बनाएं : थरूर

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि महिला आरक्षण कानून में होने वाले संशोधन को राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। ताकि संघवाद कमजोर न हो और संसद की गरिमा को ठेस न पहुंचे। आरोप लगाया कि सरकार 3 दिन के सत्र का इस्तेमाल राज्य चुनावों से पहले राजनीतिक लाभ लेने और 2029 लोकसभा चुनाव से पहले परिसीमन की तैयारी के लिए कर रही है।

महाराष्ट्र के मंत्री का हेलिकॉप्टर कार पार्किंग में उतरा

पुणे। महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री और एनसीपी नेता छगन भुजबल शनिवार को बड़े हादसे से बच गए। पुणे के पुरंदर इलाके में उनका हेलिकॉप्टर हेलीपैड की बजाय कार पार्किंग में उतरा। हेलीपैड वहां से एक किलोमीटर दूर था। पुणे प्रशासन ने बताया कि हेलिकॉप्टर के लिए हेलीपैड तैयार किया गया था, लेकिन पायलट ने पार्किंग की खाली जगह को लैंडिंग साइट समझ लिया। उस समय जगह खाली थी, जिससे भ्रम की आशंका है। घटना उस समय हुई जब भुजबल पुणे में महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। हेलिकॉप्टर उन्होंने किराए पर लिया था। लैंडिंग का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें पार्किंग में कई कारें कतार में खड़ी थीं।

ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच घिसटा युवक, दो टुकड़े हुए

रतलाम। रतलाम में चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश में युवक की जान चली गई। ट्रेन के नीचे आकर उसका शरीर दो टुकड़ों में बंट गया। हादसा शुक्रवार दोपहर को रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 4 पर हुआ। इसका सीसीटीवी फुटेज शनिवार को सामने आया। वीडियो में दिख रहा है कि लाल रंग की टीशर्ट पहने युवक ने चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश की। लेकिन हाथ फिसलने से वह प्लेटफॉर्म पर गिर पड़ा। फिर प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच फंस गया।

50 हजार की इनामी महिला ड्रग तस्कर अरेस्ट

पुलिस ने 200 सीसीटीवी और 100 मोबाइल खंगाले

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने शाहदरा से 'ड्रग्स क्वीन' के नाम से मशहूर कुसुम को अरेस्ट किया। उस पर 50 हजार रुपए का इनाम था। शाहदरा पुलिस के मुताबिक, वह दो महीने से कुसुम की तलाश कर रही थी और गुरुवार को जब वह शाहदरा आई, तो पुलिस ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। मीडिया को जानकारी शनिवार को दी। इसे अरेस्ट करने के लिए पुलिस ने 200 से अधिक CCTV और 100 से ज्यादा मोबाइल फोन के कॉल रिकॉर्ड तलाशे। कुसुम पर 2003 से 2024 के बीच NDPS एक्ट (ड्रग्स से जुड़े मामलों) के तहत 11 केस दर्ज हैं। पुलिस ने यह भी बताया कि कुसुम लगातार ठिकाने बदलती रहती थी। कई बार पुलिस के पहुंचने से कुछ मिनट

पहले ही वह फरार हो जाती थी। वह स्मार्टफोन का इस्तेमाल नहीं करती थी और बार-बार सिम कार्ड बदलती रहती थी। ड्रग्स के व्यापार में कुसुम के साथ उसकी बेटियां भी शामिल थीं। पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, उसकी बेटियां दीपा और चीकू को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। इसके अलावा उसका भाई हरिओम और सहयोगी रवि भी उसके साथ पकड़े गए।

ममता ने कहा- बीजेपी बंगाल विरोधी, उन्हें अपने घर में घुसने मत दीजिए

बंगाल की जनता टीएमसी का अहंकार चकनाचूर करेगी : पीएम

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता/चेन्नई/गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के पूर्व वर्धमान जिले के कटवा, मुर्शिदाबाद के जंगीपुर और बांग्लादेश सीमा से सटे दक्षिण दिनाजपुर जिले के कुशमंडी में चुनावी रैलियों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने तृणमूल कांग्रेस (TMC) और CM ममता बनर्जी पर निशाना साधा। PM ने कहा- आजादी के बाद से, बंगाल को चुनौती देने की हिम्मत करने वाले हर व्यक्ति का अहंकार चकनाचूर हो गया है। पहले अंग्रेजों का, फिर कांग्रेस का, और अंत में वामपंथियों का अहंकार भी चकनाचूर हो गया। अब बंगाल की

जनता टीएमसी के अहंकार को चकनाचूर कर देगी। CM ममता ने भी झारग्राम और पश्चिम मेदिनीपुर के केशियारी में रैली की। इस दौरान ममता ने कहा- भाजपा बंगाल विरोधी है, उन्हें अपने घर में घुसने मत दीजिए। ममता ने दावा किया कि भाजपा ने दो झूठे हलफनामे दाखिल कर भवानीपुर से उनकी उम्मीदवारी रद्द कराने की कोशिश की। PM ने कहा- TMC मुझे गालियां देती है। झूठे आरोप लगाती है, लेकिन यह नहीं बताती कि पिछले 15 साल में बंगाल के लिए क्या किया। उसके पास न नीयत है और न ही नीति। PM ने पिछले साल दिसंबर में कोलकाता में लियोनेल मेस्सी को लेकर हुए विवाद पर कहा- TMC ने फुटबॉल मैनेजमेंट एक सिंडिकेट को सौंप दिया, पूरी दुनिया ने शर्मनाक तस्वीरें देखीं।

>> (शेष पेज 04 पर)

शाह बोले- कुर्माली भाषा को संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल करेगी भाजपा

बंगाल के पुरुलिया में एक जनसभा को संबोधित करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा- भाजपा ने तय किया है कि जैसे ही हमारी सरकार बनेगी, हम कुर्माली भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करेंगे। राजबंशी और कुर्माली दोनों भाषाएं बंगाल, असम और झारखंड की प्रमुख भाषाएं हैं, और इन्हें आठवीं अनुसूची में शामिल करने का काम भाजपा सरकार करेगी।

ममता का दावा- भवानीपुर से मेरी उम्मीदवारी रद्द करने की कोशिश की गई

बंगाल के केशियारी में मुख्यमंत्री ममता ने चुनावी रैली के दौरान कहा- भवानीपुर से मेरी उम्मीदवारी रद्द करने के लिए दो झूठे हलफनामे दायर किए गए थे। वे ऐसा नहीं कर सके, लेकिन सोचिए अगर वे मेरे खिलाफ ऐसा कर सकते हैं, तो दूसरों के खिलाफ क्या-क्या कर सकते हैं।

सवाल : भारत केवल पूंजी या पॉलिसी के दम पर 10 ट्रिलियन डॉलर इकॉनोमी नहीं बन सकता

इकॉनोमी में कानून की भूमिका अहम : सीजेआई सूर्यकांत

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। CJI सूर्यकांत ने कहा कि भारत को 10 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनॉमी बनाने के लिए सिर्फ पूंजी और पॉलिसी काफी नहीं होंगी। इसके लिए मजबूत और भरोसेमंद कानूनी व्यवस्था भी उतनी ही जरूरी होगी। निवेशकों का भरोसा इसी पर टिका होता है। जस्टिस सूर्यकांत शनिवार को बार एसोसिएशन ऑफ इंडिया के 'रूल ऑफ लॉ कन्वेंशन 2026' में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक लक्ष्य नहीं, बल्कि देश के भविष्य से जुड़ा बड़ा सवाल है और इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता उन्होंने भरोसा जताया कि देश इस चुनौती को पूरा करेगा, लेकिन इसके लिए कानून की गुणवत्ता, स्थिरता और पारदर्शिता जरूरी होगी, क्योंकि इसी पर आर्थिक वादों और निवेश का आधार टिका होता है।

उन्होंने ये भी बताया कि पिछले 20 साल में बिजनेस विवादों का नेचर बदल गया है। पहले झगड़े आम तौर पर पेमेंट या सामान की सप्लाई जैसे सीधे मुद्दों पर होते थे, लेकिन अब ये लंबे और जटिल कारोबारी रिश्तों से जुड़े होते हैं, क्योंकि अर्थव्यवस्था भी बड़ी और जटिल हो गई है। सीजेआई ने कहा कि अब कानून की जिम्मेदारी सिर्फ समझौते के वक्त तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि पूरे कारोबारी रिश्ते के दौरान भी न्याय बना रहना चाहिए। CJI ने यह भी कहा कि जजों के लिए समय-समय पर प्रशिक्षण जरूरी है।

>> (शेष पेज 04 पर)

भारत को लंबी अवधि के निवेश की जरूरत

CJI ने कहा कि अब भारत को ऐसे निवेश की जरूरत है जो जल्दी मुनाफा कमाने के लिए नहीं, बल्कि लंबे समय तक टिके रहने वाले हों और भरोसे पर आधारित हों। जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर में पेंशन फंड का पैसा लगाना, टेक कंपनियों का अपना ज्ञान साझा करना या बड़ी विदेशी कंपनियों का सप्लाई चेन बनाना- ये सब लंबे समय की जिम्मेदारियां होती हैं। उन्होंने कहा कि निवेशक सबसे पहले ये देखते हैं कि जिस देश में वे पैसा लगा रहे हैं, वहां का कानून आगे भी ईमानदार, स्थिर और भरोसेमंद रहेगा या नहीं।

कानून विवादों के लिए तीन अहम जरूरतें

- कानून में स्थिरता ताकि अलग-अलग हालात में भी एक जैसे सिद्धांत लागू हों।
- विवाद होने से पहले ही उन्हें रोकने की संस्कृति, जिसमें 'गुड फेथ' यानी ईमानदारी से अनुबंध निभाने की भावना हो। उन्होंने कहा कि अगर मध्यस्थता को बढ़ावा दिया जाए और विवादों को पहले ही सुलझाने की संस्कृति बने, तो इससे भारत की आर्थिक प्रतिस्पर्धा को बहुत फायदा होगा। इससे मुकदमे आखिरी विकल्प बनेंगे, न कि पहला कदम।
- स्पेशलाइजेनश (विशेषज्ञता) बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि आज के व्यापारिक विवाद इतने जटिल हो गए हैं कि सामान्य कानूनी प्रशिक्षण पर्याप्त नहीं है। इंफ्रास्ट्रक्चर, फाइनेंस और डिजिटल सेक्टर जैसे मामलों के लिए खास ज्ञान जरूरी है।

मोदी-राहुल की बातचीत का वीडियो वायरल

संसद परिसर में दोनों ने हाथ जोड़कर अभिवादन किया, बातचीत भी हुई

बातचीत

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। PM नरेंद्र मोदी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बीच बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। वीडियो में दोनों के बीच हल्की-फुल्की बातचीत होती दिखाई दी। यह वीडियो शनिवार को संसद परिसर का है, जहां दोनों नेता समाज सुधारक महात्मा ज्योतिराव फुले की 200वीं जयंती पर श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे। वीडियो में दिख रहा है कि मोदी वहां मौजूद नेताओं लोकसभा स्पीकर ओम बिरला, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और अर्जुन राम मेघवाल से मिले और अभिवादन स्वीकार किया। इस दिन संसद सत्र के समापन के बाद अनौपचारिक चाय बैठक में मोदी और राहुल ने

एक-दूसरे का अभिवादन किया। लोकसभा चुनाव के बाद 26 जून 2024 को लोकसभा में ओम बिरला को स्पीकर चुना गया। मोदी, राहुल गांधी स्पीकर बिरला को अध्यक्षीय आसन तक लेकर गए। इस दौरान ओम बिरला से हाथ मिलाने के बाद पीएम मोदी और राहुल गांधी ने एक-दूसरे से भी हाथ मिलाया। 20 जुलाई 2018 को लोकसभा में सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा हो रही थी।

>> (शेष पेज 04 पर)

सम्पादकीय

जासूसी का जाल, साजिश रचने में लगा आईएसआई

दिल्ली पुलिस की ओर से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े संदिग्ध आतंकियों के एक और गुट का भंडाफोड़ यही बताता है कि पाकिस्तान भारत के खिलाफ बड़े पैमाने पर साजिश रचने में लगा हुआ है और उसने भारत के संवेदनशील ठिकानों की जासूसी के लिए एक बड़ा नेटवर्क खड़ा कर लिया है। चिंता की बात केवल यह नहीं कि पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले संदिग्ध आतंकी उसे महत्वपूर्ण स्थलों के लाइव फुटेज भेज रहे, बल्कि यह भी है कि वे ऐसे ठिकानों की भी जानकारी प्रेषित कर रहे, जहां आतंकी हमले किए जा सकें। इसका मतलब है कि आपरेशन सिंदूर में पस्त होने से बौखलाया पाकिस्तान भारत में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए हर संभव तरीके से हाथ-पांव मार रहा है। एक ओर वह अमेरिका की चापलूसी करके अपनी अंतरराष्ट्रीय छवि सुधारने की चेष्टा के साथ खुद को शांति दूत के रूप में पेश कर रहा है और दूसरी ओर आतंक को पालने-पोसने से बाज नहीं आ रहा है। वह जैसी खतरनाक भारत विरोधी हरकतों में लिप्त है, उनसे यही पता चलता है कि वह पहले की ही तरह जिहादियों को तैयार करने में लगा हुआ है। भारत को पाकिस्तान को चेताने के साथ ही उसके शैतानी चेहरे को बेनकाब करने के लिए नए सिरे से सक्रियता दिखानी होगी, क्योंकि उसके यहां का आतंकी ढांचा जस का तस है। वहां किस प्रकार पहले की ही तरह जिहादी तैयार हो रहे हैं, इसका ताजा उदाहरण हाल में कश्मीर में पाकिस्तानी आतंकी की गिरफ्तारी है। इसके अलावा गत दिनों एक पाकिस्तानी इस्लामिक स्टेट से प्रेरित होकर न्यूयार्क के एक यहूदी केंद्र पर आतंकी हमले की साजिश में पकड़ा गया। इस पर अमेरिका के साथ पश्चिम के अन्य देशों को भी गौर करना होगा, क्योंकि यह पहला ऐसा मामला नहीं, जब कोई पाकिस्तानी आतंकी विदेश में किसी आतंकी हमले की साजिश में लिप्त पाया गया हो। दुनिया को समझना होगा कि पाकिस्तान अब भी आतंक का निर्यात करने में लगा हुआ है। वह भारत के साथ अफगानिस्तान को भी अस्थिर करने की ताक में है। हमारे नीति-नियंताओं को इससे चिंतित होना चाहिए कि पाकिस्तान को अपने लिए जासूसी करने यानी भारत से गद्दारी करने वाले तत्व इतनी आसानी से कैसे मिल जा रहे हैं। इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि वे या तो जिहादी बनने के उन्माद से ग्रस्त होकर पाकिस्तान के हाथों में खेल रहे हैं या फिर पैसों के लालच में देश के दुश्मन बन जा रहे हैं। यह गंभीर बात है कि पिछले एक अर्से से ऐसे तत्व बड़ी संख्या में देश के विभिन्न हिस्सों से पकड़े गए हैं, जो पाकिस्तानी हैंडलरों के संपर्क में थे और उनके लिए भारत में आतंक फैलाने के लिए काम कर रहे थे। साफ है कि पुलिस और खुफिया एजेंसियों को और अधिक चौकसी बरतनी होगी।

आसान नहीं होता युद्ध खत्म करना

वियतनाम युद्ध में हुई किरकिरी से सबक लेते हुए जब अमेरिकी सेनाएं 1991 के खाड़ी युद्ध में उतरीं तो उन्होंने थल, नभ एवं जल सेना के ऐसे अभूतपूर्व समन्वय का उदाहरण प्रस्तुत किया कि चंद दिनों में ही युद्ध का निर्णायक फैसला हो गया। आपरेशन डेजर्ट स्टार्म नाम से चला वह अभियान अमेरिका की बड़ी सैन्य सफलताओं में से एक माना जाता है। हालांकि उसके कुछ साल बाद ही अफगानिस्तान में अमेरिका का आतंक विरोधी अभियान इतना लंबा खिंचा कि उसे कभी न समाप्त होने वाले 'अंतहीन युद्ध' की संज्ञा मिलने लगी। अमेरिकी सेना के सबसे लंबे अभियान के रूप में दर्ज हुए इस अभियान के विषय में यह भी कहा जा सकता है कि अमेरिका को अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी, क्योंकि तालिबान फिर से अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज हो गए। इसी तरह रूस ने भी यूक्रेन पर इसी धारणा के साथ हमला किया कि कुछ ही दिनों में वह हथियार डाल देगा, लेकिन वह लड़ाई अभी तक जारी है। अक्टूबर 2023 में जब हमास के हमले के बाद इजरायल ने गाजा को निशाना बनाया तो यही माना गया था कि थोड़े समय में ही यह लड़ाई थम जाएगी, मगर उस लड़ाई का दायरा बढ़कर लेबनान, सीरिया और यमन तक विस्तारित होता गया। हालांकि जनवरी में वहां एक युद्धविराम की स्थिति तो बनी, लेकिन वहां भीषण मानवीय आपदा की स्थिति को अनदेखा नहीं किया जा सकता। ईरान युद्ध का उदाहरण लें तो उसकी शुरुआत भी संभवतः इसी विचार के साथ हुई हो कि जल्द ही इसका परिणाम सामने आ जाएगा। शुरुआती दौर में ही शीर्ष नेता अयातुल्ला खामेनेई की हत्या इसी धारणा के अनुरूप थी कि इससे शासन परिवर्तन में आसानी होगी। हालांकि खामेनेई की मौत ने शासन परिवर्तन के बजाय ईरानियों को और एकजुट करने का ही काम किया। शासन पर पहले जो दबाव महसूस हो रहा था, वह भी छिन्न-भिन्न हो गया। फिर लड़ाई लंबे दौर में दाखिल हो गई और पूरी दुनिया उसकी तपिश महसूस करने लगी। इतिहास पर दृष्टि डालें तो यूरोपीय सैन्य नेतृत्व ने 1914 की गर्मियों में यह सोचकर युद्ध छेड़ा कि क्रिसमस तक लड़ाई थम जाएगी, मगर हुआ इसका उलटा और यह जंग नवंबर 1918 तक जारी रही।

जगतबीर सिंह

> लेकिन तब प्रस्ताव खारिज कर दिया गया था। इसके बाद 1971 में भारत में महिलाओं की स्थिति पर समिति का गठन किया गया, जिसमें कई सदस्यों ने महिला आरक्षण का विरोध किया। जबकि 1974 में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने के लिए महिलाओं की स्थिति पर एक समिति ने शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय को एक रिपोर्ट सौंपी।

भारतीय राजनीति का 'नया भूगोल': भारत में 'नारी शक्ति' का नया अध्याय

भारतीय लोकतांत्रिक इतिहास में 16 अप्रैल का दिन एक युगांतरकारी मोड़ साबित हो सकता है। केंद्र सरकार ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को धरातल पर उतारने के लिए एक साहसिक और दूरगामी योजना तैयार की है। इस योजना के केंद्र में केवल महिला आरक्षण ही नहीं, बल्कि लोकसभा की संरचना में अब तक का सबसे बड़ा विस्तार भी शामिल है। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' में बड़े संशोधनों के साथ ही लोकसभा की 50 प्रतिशत सीटो की बढ़ोतरी की तैयारी कर ली है। इस प्रस्ताव का मुख्य उद्देश्य न केवल विधायी निकायों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना है बल्कि दशकों से लंबित परिसीमन की प्रक्रिया को एक नई दिशा देना भी है। सरकार द्वारा इस तैयारी के लिए खींचे गये खाके को लेकर स्पष्ट कर दिया है कि वह महिलाओं को संसद में भेजने के अपने वादे को 2029 के आम चुनाव तक हर हाल में पूरा करना चाहती है। देश को उम्मीद है कि लोकसभा की नई सरंचना न केवल भारत की बढ़ती आबादी का प्रतिनिधित्व करेगी, बल्कि 'नारी शक्ति' को राष्ट्र के नीति-निर्माण में बराबर का हिस्सेदार बनाएगी। संसद के बजट सत्र के अंतिम दिन केंद्र सरकार ने भारतीय राजनीति और संसदीय इतिहास में उस समय चौंकाने वाला निर्णय लिया जिसमें अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने वाले बजट सत्र को समाप्त करने के बजाय, 16 अप्रैल सुबह 11 बजे तक के लिए टाल दिया गया है। यानी संसद के बजट सत्र का यह विशेष हिस्सा अब 16 से 18 अप्रैल तक फिर से चलेगा। केंद्र सरकार का मकसद 'महिला आरक्षण कानून' (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) को समय से पहले जमीन पर उतारना है। सरकार का पूरा फोकस अब उस कानूनी अड़चन को खत्म करना है जो

महिला आरक्षण और जनगणना तथा परिसीमन के बीच फंसी हुई है। दरअसल 2023 में पास हुए नारी शक्ति वंदन अधिनियम के मुताबिक, आरक्षण अगली जनगणना के बाद ही लागू हो सकता था जिसमें वर्षों का समय लगना स्वाभाविक था। अब सरकार 2011 की जनगणना के आधार पर ही लंबित परिसीमन की प्रक्रिया शुरू करने के लिए संशोधन बिल लाने की तैयारी में है। सरकार चाहती है कि महिलाओं को उनके हक के लिए लंबा इंतजार न करना पड़े। इसलिए जनगणना और परिसीमन की तकनीकी अड़चनों को दूर करने के लिए यह सत्र मील का पत्थर साबित होगा। यदि ऐसा हुआ तो आगामी लोकसभा चुनावों और ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और आंध्र प्रदेश के विधानसभा चुनावों में महिलाओं को आरक्षण मिल सकेगा। यही फॉर्मूला राज्यों की विधानसभाओं में भी लागू किया जाएगा, ताकि पंचायत से लेकर संसद तक महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी का एक समान ढांचा तैयार हो सके। माना जा रहा है कि उत्तर बनाम दक्षिणसीटों की संख्या बढ़ने से बड़े राज्यों, विशेषकर हिंदी भाषी राज्यों में लोकसभा सीटों की संख्या में भारी उछाल आएगा। नए परिसीमन के जरिए राज्यों में फिलहाल संसदीय सीटों में 50 फीसदी बढ़ोतरी होगी और उत्तर प्रदेश में यह संख्या सबसे ज्यादा होकर तीन अंक में पहुंच जाएगी। सरकार को हालांकि इस ऐतिहासिक बदलाव को अमली जामा पहनाने के लिए दो मोर्चों पर काम करना होगा। इसके लिए संविधान संशोधन के लिए सरकार को संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत की आवश्यकता है। यानी इन दोनों विधेयकों को पास कराने के लिए संसद में दो-तिहाई बहुमत जरूरी होगा। इसी वजह से सरकार विपक्ष का समर्थन जुटाने में लगी है। यही कारण है कि इसके लिए गृहमंत्री अमित शाह सपा, राजद, बीजद, वाईएसआर कांग्रेस, एनसीपी (एसपी), और एआईएमआईएम जैसे विपक्षी दलों के साथ निरंतर संवाद कर रहे हैं। दरअसल विपक्ष में खासतौर से कांग्रेस और कई क्षेत्रीय दल लगातार मांग कर रहे हैं कि महिला कोटे के भीतर ओबीसी महिलाओं के लिए अलग से आरक्षण का प्रावधान होना चाहिए क्योंकि फिलहाल इसमें ओबीसी महिलाओं के लिए अलग से प्रावधान शामिल नहीं है। राजनीतिक जानकारों के अनुसार सरकार इसी फॉर्मूले पर राज्यों की विधानसभाओं में भी सीटें बढ़ाने और महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने की योजना है, ताकि पूरे देश में एक जैसा ढांचा रहे। महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड और केरल सहित कई राज्यों ने स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू किया है। मोदी सरकार ने साल 2023 में महिला आरक्षण कानून के स्थान पर 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' कानून पास हुआ और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी इसकी मंजूरी दे चुकी हैं लेकिन जनगणना और परिसीमन की शर्त के कारण यह अटका हुआ है।

● ओ.पी. पाल

लोकसभा सीटों में 50फीसदी की बढ़ोतरी संभव?

इस सत्र के विस्तार का सबसे बड़ा आकर्षण लोकसभा सीटों का पुनर्गठन हो सकता है। चर्चा है कि सरकार सदन में सीटों की संख्या 543 में 50 फीसदी सीटे बढ़ाने का प्रस्ताव है जिससे लोकसभा की 816 सीटें होने पर 33 प्रतिशत यानी एक-तिहाई आरक्षण के फार्मूले के तहत लोकसभा में लगभग 273 सीटें सीधे महिलाओं के लिए आरक्षित हो जाएंगी। मसलन इन 273 सीटों में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए उनके आरक्षित कोटे के भीतर सीटें तय होंगी। संसद में यदि यह संशोधन पास होता है तो 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले ही देश की संसद का स्वरूप पूरी तरह बदल जाएगा और महिलाओं की भागीदारी ऐतिहासिक स्तर पर पहुँच जाएगी। माना जा रहा है कि इसके लिए बजट सत्र की आगामी तीन दिन की बैठकों में सरकार जहां एक संविधान संशोधन विधेयक के जरिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम में बदलाव करेगी, वहीं दूसरा सामान्य विधेयक परिसीमन अधिनियम में संशोधन लाएगी। इन दोनों प्रस्तावित कानून 31 मार्च 2029 से लागू किया जा सकता है।

लोकसभा का ऐतिहासिक विस्तार

वर्तमान में लोकसभा की सदस्य संख्या 543 है, जो 1971 की जनगणना के आधार पर टिकी हुई है। सरकार के नए प्रस्ताव के अनुसार यदि सीटों में 50 फीसदी की बढ़ोतरी होती है तो यह संख्या बढ़कर 816 हो जाएगी। इस विस्तार का आधार 2011 की जनगणना को बनाया जाएगा यानी अब 2011 के आंकड़ों के आधार पर ही सीटों का पुनर्गठन (परिसीमन) किया जाएगा। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि नई जनगणना में होने वाली देरी के कारण आरक्षण के क्रियान्वयन में बाधा आ रही थी। यदि ये दोनों विधेयक संसद में पारित हाते हैं, तो महिला आरक्षण के बाद यूपी में सबसे ज्यादा 40 लोकसभा सीटें बढ़ेंगी।

जन सुराज का...

वेदव्यास

अंधेरे में रोशनी की तलाश

भारत इस दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है इसीलिए यहां लोक की अपनी अलग कहानी है और तंत्र की अपनी कहानी है। यहां लोक ने परलोक के, ईमानदार ने भ्रष्टाचार के, पाप ने पुण्य के, भिखारी ने दाता बनने के, राजा ने भाग्यविधाता होने के, नर ने नारायण तक जाने के और नरक से स्वर्ग तक जाने के सारे रास्ते बना रखे हैं। यहां कोई किसी के भरोसे नहीं है। सभी अपने-अपने कर्म कर रहे हैं और अपने-अपने भाग्य की कमाई खा रहे हैं। सभी स्वतंत्र हैं और सभी गुलाम हैं। समय से पहले और भाग्य से अधिक यहां किसी को कुछ नहीं मिलता है। पूरा लोक ही भय, भाग्य और भगवान से संचालित है। हजारों साल से हम ही इस लोक के निर्भाता हैं और हम ही इसके मुक्तिदाता हैं। इस तरह यह भारतीय समाज भी हमारे भले-बुरे का प्रतिफल ही है। यह लोकतंत्र का ही सबसे बड़ा तिलिस्म है कि यहां हजारों साल की गुलामी, सैकड़ों साल के स्वतंत्रता संग्राम और लाखों समस्याएं देख-समझ कर भी लोक और तंत्र का शीतयुद्ध किसी एक लक्ष्य और संकल्प को तय नहीं कर पाया है। 1947 तक हमारा एक ही ध्येय वाक्य था कि आजादी हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है और हम इसे लेकर रहेंगे लेकिन आजादी के बाद जिस भारत के संविधान को लेकर हम राष्ट्र निर्माण की राह पर चल रहे हैं उसका कुल नतीजा यह मिला है कि विकास और परिवर्तन के नाम पर तो हमने बहुत कुछ पाया है किंतु राष्ट्र चरित्र के नाम पर हमने सब कुछ खो दिया हैं। इसे इतिहास-भूगोल, ज्ञान-विज्ञान, भक्ति -

आध्यात्मिक और भूत भविष्य तो मिला है लेकिन इसके पास कोई वर्तमान नहीं है। डॉ. भीमराव अंबेडकर ने पहली बार 1948 में संविधान सभा के नेतृत्व में इस भारतीय लोकतंत्र की दशा, दिशा और संभावनाओं का परिसीमन स्थापित किया था और इस लोकतंत्र को गणतंत्र का नाम दिया था और सामाजिक-आर्थिक न्याय की सभी परिभाषाएं दी थीं। इस भारत को एक लोकतांत्रिक, समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष पहचान दी थी और बंकिमचंद्र चटर्जी के 'वंदेमातरम' राष्ट्रगीत से और रविंद्रनाथ टैगोर के 'जन-गण-मन अधिनायक जय हे' के राष्ट्रगान से सुशोभित किया था। तब हमारा पहला लक्ष्य यह था कि भारत एक आजाद मुल्क बने और फिर दूसरा संकल्प संविधान से यह मिला कि भारत का समाज धर्म, जाति, भाषा तथा क्षेत्रीयता की भावनाओं से मुक्त होकर एक हृदय हो भारत जननी का उद्घोष करे। वह एक राष्ट्र, एक संविधान, एक तिरंगा, एक विधायिका, एक कार्यपालिका और एक न्यायपालिका से संचालित एवं निर्देशित हो। इसका एक ध्येय वाक्य भी रहा कि- सत्यमेव जयते। अंबेडकर ने और हमारे संविधान सभा ने भारत के लोकतंत्र को मनुष्य, समाज और समय का वह सब कुछ लिखकर सौंप दिया लेकिन आज हम अपने लोक में तंत्र (व्यवस्था) का अनहदनाद ही सुनते हैं तो हमें लगता है कि महात्मा गांधी ही अब यहां सबसे अधिक उपेक्षित हैं और अंबेडकर सबसे अधिक प्रताड़ित हैं। भगतसिंह ही सबसे अधिक विस्मृत हैं, सुभाष चंद्र बोस ही सबसे अधिक अल्पज्ञात हैं और पूरा सूफी समाज तथा भक्ति काल भी समाज सुधारक संत परंपरा ही शिक्षा और सामाजिक संस्कृति के पाठ्यक्रम से बाहर है। महात्मा गांधी के बताए 'सात सामाजिक पाप' के अनुसार आजाद भारत की सबसे बड़ा आश्चर्यलोक तो अब यह है कि-(1) सिद्धांतविहीन राजनीति ने (2) श्रमविहीन संपत्ति ने (3) विवेक विहीन भोग विलास ने (4) चरित्रविहीन शिक्षा ने (5) नैतिकता विहीन व्यापार ने (6) मानवीयता विहीन विज्ञान ने (7) और त्यागविहीन पूजा ने ही भारतीय संविधान के सभी लक्ष्य और उद्देश्यों को नष्ट-भ्रष्ट कर दिया है। हमारे लोक सेवक की आज सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक भ्रष्टाचार की ऐसी मशाल और मिसाल बन गए हैं कि हर और साहूकार ने अपने-अपने राष्ट्रनायक, धर्मगुरु, जाति गौरव, भाषा पुरुष तथा क्षेत्रीय खलनायक ढूंढ लिए हैं। साधु- सन्यासी, मुल्ला-मौलवी, ग्रंथि-पादरी सभी लोकतंत्र की वैतरणी को पार करने के लिए अब चुनावी दल बनकर काले धन का खजाना ढूंढ रहे हैं। अब किसी को महात्मा गांधी और अन्ना हजारे में और बाबा साहब अंबेडकर और बाबा रामदेव में कोई अंतर समझ में नहीं आ रहा है। डॉ. भीमराव अंबेडकर, ज्योतिबा फुले, शिवाजी, महाराणा प्रताप, करणीमाता, देवनारायण, मीनमाता, तेजाजी जैसे हजारों कीर्ति-नायकों को हमने अपनी-अपनी जातियों के मौत के कुंए में धकेल दिया है और एक संविधान को भुलाकर जाति-संप्रदाय के अनगिनत संविधान चला दिए हैं। यही कारण है कि समता, न्याय और शांति के संविधान की जगह भारत के लोकतंत्र में आतंकवाद , पृथकतावाद और उग्रवाद के नारे हिंसा और असत्य के चुनावी दंगल कर रहे हैं। तंत्र (राज्य की सामाजिक-आर्थिक व्यवस्था) की सूखे और उजाड़ कुएं में केवल मेंढक और कबूतर ही बोल रहे हैं तथा संत-बाबा और महात्माओं का भी यह सरकारीकरण हो गया है। भारत के संविधान को सूचना के तंत्र ने पूंजी और प्रचार के ऐसे यंत्र में बदल दिया है कि सच को जानने में ही पीढ़ियां तबाह हो जाती हैं। आज डॉ. अंबेडकर को जब हम उनके संविधान के तय संकल्पों के साथ पढ़ते हैं तो हमें पता चलता है कि अब भारत का कोई अपना एक राष्ट्रीय लक्ष्य और राष्ट्रीय गौरव तथा राष्ट्रीय चरित्र ही शेष नहीं बचा है और यही कारण है कि 140 करोड़ देवी- देवताओं का यह लोकतंत्र आज 20 रुपए में ही अपनी गुजर-बसर कर रहा है।

देश में माओवाद...

ए. सूर्यप्रकाश

राजनीतिक दृढ़ता का अप्रतिम उदाहरण

एक समय जिस माओवाद को देश की आंतरिक सुरक्षा के समक्ष सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक के रूप में देखा जाता था, उससे देश को अब मुक्ति मिल गई है। इस मुक्ति में माओवाद के सफाए से जुड़े मोदी सरकार के संकल्प की अहम भूमिका रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और गृहमंत्री अमित शाह द्वारा माओवाद विरोधी नीतियों के सक्षम क्रियान्वयन के दम पर देश इस चुनौती से पार पाने में सफल हो सका है। याद रहे कि 2014 में जब मोदी प्रधानमंत्री बने तब 126 जिले माओवाद से प्रभावित थे। इनमें से 36 में तो माओवादियों की तूती बोलती थी। अब माओवाद की बची-खुची जड़ें केवल दो जिलों तक सिमटकर रह गई हैं और उनके वर्चस्व वाले जिलों की संख्या शून्य हो गई। माओवादी हिंसा देश की जड़ों को खोखला कर रही थी। केंद्रीय गृह मंत्रालय के नेतृत्व में अर्धसैनिक बलों और संबंधित राज्यों के पुलिस बल की एक व्यापक एवं सुव्यवस्थित रणनीति से ही माओवाद की समाप्ति में सफलता मिल सकी। निश्चित रूप से यह मोदी सरकार की बड़ी उपलब्धियों में से एक है। बीते दिनों गृहमंत्री अमित शाह ने संसद को इस सफलता के विषय में सूचित भी किया। उन्होंने सदन में बताया कि 2014 से अब तक 4,839 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया। जबकि 2,218 गिरफ्तार किए गए और 706 माआवोदी विभिन्न अभियानों में मार गिराए गए। माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में राज्य की बढ़ती पैठ का एक प्रमाण यह है कि इस दौरान वहां 596 पुलिस थाने मजबूत किले में तब्दील हो गए तो केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल यानी सीआरपीएफ के 406 नए कैंप भी स्थापित किए गए। रात्रि में भी अभियान छेड़ने के लिए सुविधाओं का विस्तार किया गया, जिनमें ऐसी सुविधा वाले 68 हैलीपैड भी शामिल हैं, जहां रात को भी लैंडिंग संभव थी। माओवाद के विरुद्ध मिली उल्लेखनीय सफलता यह सोचने पर भी विवश करती है कि करीब 12 करोड़ की आबादी वाले हिस्से को अपनी चपेट में लेने

वाली माओवादी हिंसा से निपटने में पूर्व की सरकारें क्यों विफल रहीं? इसका स्पष्ट उत्तर निकलेगा और वह है दृढ़ता की कमी और राजनीतिक मजबूरियां। दूसरे शब्दों में कहें तो नीयत साफ नहीं थी। देश में माओवाद की जड़ें इंदिरा गांधी के शासन में पनपनी शुरू हुईं। 1969 में कांग्रेस में विभाजन के बाद इंदिरा गांधी को अपनी सत्ता बनाए रखने के लिए वामपंथी दलों के सहारे की जरूरत थी। इस सहारे के बदले में कांग्रेस सरकार ने वामपंथियों और उनके वैचारिक सहोदरों माओवादियों के प्रति नरम रुख अपनाया। कांग्रेस ने स्वयं को प्रगतिशील दिखाने के लिए भी माओवादियों पर सख्ती नहीं की। जबकि माओवाद मध्य भारत में अपना विस्तार करते हुए देश की जड़ों को दीमक की तरह खोखला कर रहा था। इसका ही परिणाम रहा कि छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, महाराष्ट्र, केरल, बंगाल, मध्य प्रदेश, आंध्र और तेलंगाना जैसे राज्यों में फैलते गए माओवाद से देश में लाल गलियारे की संकल्पनाएं तैरने लगीं। मोदी सरकार ने बार-बार दोहराया कि 31 मार्च, 2026 तक माओवादियों का समूल नाश कर दिया जाएगा। यह घोषणा सरकार के प्रमुख चेहरे अमित शाह करते रहे। इससे पहले किसी भी भारतीय नेता ने इतने बड़े भौगोलिक क्षेत्र में फैली आंतरिक सुरक्षा संबंधी समस्या को समाप्त करने का ऐसा महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय नहीं किया था। यदि वे अपने लक्ष्य की प्राप्ति में विफल रहे तो उसमें भी बड़ा राजनीतिक जोखिम था, लेकिन आत्मविश्वास से ओतप्रोत मोदी-शाह की जोड़ी अपनी दृढ़ता से इस लक्ष्य की पूर्ति को लेकर आश्वस्त थी।

जरा हटके

वर्तमान में तो ...

सरदूल सिंह

बोर्ड परीक्षा परिणाम का अंकगणित और 'फील गुड' का भ्रम

गत दिनों माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान द्वारा दसवीं और बारहवीं कक्षा के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए। आंकड़ों का विश्लेषण कई महत्वपूर्ण पहलुओं को उजागर करता है। उदाहरण के लिए, बारहवीं कक्षा के कला वर्ग में लगभग 5.33 लाख विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए जिनमें 65 प्रतिशत से अधिक प्रथम श्रेणी में रहे। उल्लेखनीय तथ्य यह भी है कि प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने वालों में छात्राओं की संख्या छात्रों से अधिक रही। सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्रा ने 99.62 प्रतिशत अंक हासिल किए। यह प्रवृत्ति केवल एक वर्ष की नहीं है। पिछले कुछ वर्षों से बोर्ड परीक्षाओं और प्रतियोगी परीक्षाओं में भी छात्राएं लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। उच्च शिक्षा में नामांकन के आंकड़े भी इसी दिशा की ओर संकेत करते हैं—जहां छात्राओं का नामांकन बढ़ रहा है, वहीं छात्रों का घट रहा है। यह एक महत्वपूर्ण सामाजिक बदलाव है, जिसे गंभीरता से समझने की आवश्यकता है। आज स्थिति यह है कि सरकारी विद्यालयों में भी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के 80 से 90 प्रतिशत तक अंक आ रहे हैं। कुल मिलाकर प्रथम श्रेणी प्राप्त करना अब कोई असाधारण उपलब्धि नहीं रह गई है। यदि हम अतीत से तुलना करें, तो 1960 से 1980 के दशक तक साक्षरता दर बहुत कम थी। उस समय किसी बच्चे का स्कूल जाना ही बड़ी बात होती थी, और 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करना तो एक आश्चर्यजनक उपलब्धि मानी जाती थी। ग्रामीण क्षेत्रों में तो ऐसे बच्चों को देखने के लिए लोग घर तक पहुंच जाते थे। उसे जमाने में दसवीं तक शिक्षित ही रोजगार वाले क्षेत्र में प्रवेश कर जाता था। लोग सेवा की बजाय कृषि क्षेत्र में जाना

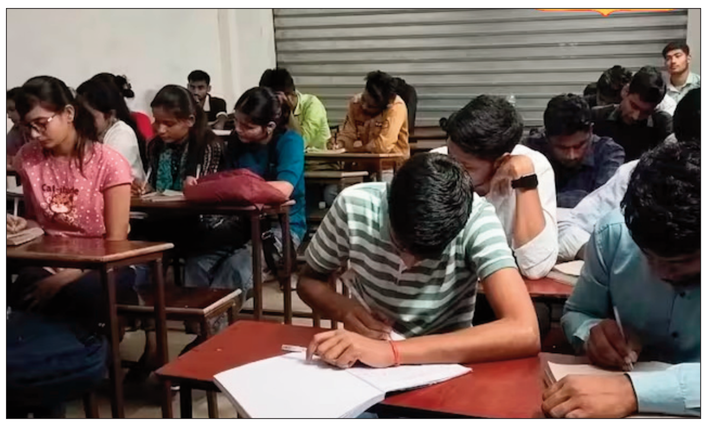

ज्यादा उचित समझते थे क्योंकि कृषि क्षेत्र में उच्च तकनीक का प्रवेश नहीं हुआ था जिससे मानव श्रम की ज्यादा आवश्यकता थी और लोग ₹उत्तम खेती मध्यम व्यापार निषेध चाकरी₹ वाली कहावत के अनुसार नौकरी की तरफ कम ध्यान देते थे. ज्यों ही 1980 के बाद खेती और कारखाने में उच्च तकनीक का प्रवेश हुआ मानव श्रम को खेती और कारखाने के उत्पादन क्षेत्र से बाहर कर दिया तो युवा सेवा क्षेत्र की ओर मुड़ने लगे, लेकिन सेवा क्षेत्र में भी पूंजी के उदारीकरण तथा सार्वजनिक क्षेत्रों के निजीकरण तथा वैश्वीकरण के कारण सेवा के क्षेत्र के अवसर सीमित कर दिए गए। वर्तमान में तो तकनीक ए आई तक उन्नत हो गई है इसलिए प्रतिवर्ष केवल राजस्थान में लाखों युवक उच्च शिक्षाधारी बन कर निकल रहे हैं। रोजगार के अवसर न होने के कारण वे अपनी डिग्रियों और प्रमाण पत्रों को सहजने से भी कतरा रहे हैं। दूसरी तरफ आज एलकेजी और यूकेजी स्तर पर भी 90 प्रतिशत से कम अंक आने पर अभिभावक चिंतित हो जाते हैं। बच्चों पर मानसिक दबाव बढ़ता है और अंक ही सफलता का प्रमुख मापदंड बन जाते हैं। विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों के बीच अंकों की दौड़ लगातार तेज हो रही है। निजी विद्यालय इस प्रवृत्ति को अपनी उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत करते हैं, क्योंकि उनके लिए प्रतिस्पर्धा में बने रहना और नामांकन बढ़ाना आवश्यक है। दूसरी ओर, सरकारी विद्यालयों में भी अच्छे परिणामों का उपयोग नामांकन अभियान को मजबूत करने के लिए किया जाता है। लेकिन यदि हम सरकारी विद्यालयों की वास्तविक स्थिति पर नजर डालें, तो एक अलग तस्वीर सामने आती है। लगभग 25 प्रतिशत पद वर्षों से रिक्त हैं। उपलब्ध शिक्षकों को भी अक्सर गैर-शैक्षिक कार्यों—जैसे मतदाता सूची, जनगणना, स्वास्थ्य और राजस्व विभाग के कार्यों—में लगा दिया जाता है। इसके बावजूद परीक्षा परिणामों में निरंतर सुधार कई सवाल खड़े करता है। यदि शिक्षक-विहीन विद्यालयों में भी उत्कृष्ट परिणाम आ सकते हैं, तो क्या यह माना जाए कि शिक्षकों की आवश्यकता कम हो गई है? या फिर परीक्षा प्रणाली और मूल्यांकन प्रक्रिया में ही कोई बदलाव आया है? शिक्षा के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण प्रश्न आरटीई (Right to Education) से जुड़ा है। निजी विद्यालयों में 25 प्रतिशत आरक्षण के तहत नामांकन बढ़ रहा है जबकि सरकारी विद्यालयों में नामांकन घटता जा रहा है। ऐसे में यह सवाल उठता है कि खाली पड़े सरकारी विद्यालयों में बच्चों का प्रवेश कैसे और क्यों बढ़ेगा? सच्चाई यह है कि कोई भी अभिभावक, चाहे वह गरीब हो या अशिक्षित, अपने बच्चे के लिए बेहतर शिक्षा और सुविधाएं चाहता है। यदि सरकारी विद्यालयों में पर्याप्त शिक्षक, संसाधन और पढ़ाई का अनुकूल वातावरण उपलब्ध हो, तो नामांकन स्वतः बढ़ जाएगा। इसके लिए घर-घर जाकर बच्चों को ढूंढने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उदाहरण के लिए किसी गंभीर बीमारी के इलाज से थक चुके व्यक्ति को किसी पहाड़ पर किसी योगी से किसी पेड़ की छाल या अन्य उपाय बता दिया जाए और उसे आशा हो जाए तो वे वहां तक भी पहुंच जाते हैं इसलिए अगर सरकारी स्कूलों में सारे पद भरकर आवश्यकता अनुसार नए पद सृजित कर सारी सुविधाएं उपलब्ध हों तो नामांकन स्वत बढ़ जाएगा। प्राप्तांकों के इस "अंकगणित" को यदि हम रोजगार के संदर्भ में देखें, तो तस्वीर और भी चिंताजनक हो जाती है। 1990 से पहले रोजगार के लिए बोर्ड परीक्षा के अंक महत्वपूर्ण आधार हुआ करते थे। उस समय रोजगार के अवसर अधिक थे और शिक्षित लोग कम लेकिन आज स्थिति उलट गई है—तकनीकी विकास और सीमित अवसरों के कारण रोजगार के अवसर सीमित कर दिए गए हैं। आज लाखों विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होकर भी रोजगार के लिए संघर्ष कर रहे हैं। निजी संस्थानों से महंगी डिग्रियां प्राप्त करने के बाद भी उन्हें अपेक्षित अवसर नहीं मिलते। ऐसे में अंकों का यह "फील गुड" वास्तविक जीवन में ज्यादा मायने नहीं रखता। यह भी देखा गया है कि परीक्षा के प्रश्नपत्रों के स्तर को घटाकर अधिक से अधिक विद्यार्थियों को उत्तीर्ण किया जाता है जिससे समाज में एक सकारात्मक माहौल या "फील गुड" बनाया जा सके। वहीं, प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रश्नपत्र का स्तर इतना कठिन कर दिया जाता है।

मुकुल बोले- धोनी का हेलिकॉप्टर शॉट मेरा पसंदीदा, केकेआर के खिलाफ 7 सिक्स लगाए

पिता ने घर बेचा, बेटे ने किया सपना पूरा

नई दिल्ली, एजेंसी

लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) के उभरते बल्लेबाज मुकुल चौधरी ने अपने शानदार प्रदर्शन से एक बार फिर साबित कर दिया कि वे बड़े मैचों के खिलाड़ी बनने की राह पर हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि उनका सपना खुद को भारत के दिग्गज कप्तान MS Dhoni जैसा फिनिशर बनाना है। जियोहॉटस्टार से बातचीत में मुकुल ने बताया कि धोनी का मशहूर हेलिकॉप्टर शॉट उन्हें सबसे ज्यादा पसंद है और 2011 वर्ल्ड कप में उनकी कप्तानी और मैच फिनिश करने की क्षमता से वे बेहद प्रेरित हैं। गुरुवार को IPL-2026 के मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स ने कोलकाता के खिलाफ रोमांचक जीत दर्ज की। टीम को आखिरी 18 गेंदों में 43 रन की दरकार थी और 7 विकेट गिर चुके थे। ऐसे दबाव भरे हालात में मुकुल चौधरी ने संयम और आक्रामकता का बेहतरीन मिश्रण दिखाते हुए सिर्फ 27 गेंदों में नाबाद 54 रन ठोक दिए। उनकी इस दमदार पारी की बदौलत लखनऊ ने 3 विकेट से जीत दर्ज की और टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत हासिल की। मुकुल चौधरी की सफलता के पीछे उनके पिता का बड़ा योगदान है। उनके पिता खुद क्रिकेटर बनना चाहते थे, लेकिन परिस्थितियां ऐसी नहीं थीं कि वे पेशेवर स्तर तक पहुंच पाते। इसी वजह से उन्होंने शादी से पहले ही तय कर लिया था कि उनका बेटा क्रिकेट में अपना करियर बनाएगा। मुकुल ने अपनी इस शानदार पारी को अपने पिता और अपने आदर्श एमएस धोनी को समर्पित किया। मुकुल ने कहा कि धोनी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि वे दबाव में भी शांत रहते हैं और आखिरी ओवर तक मैच को खत्म करने का आत्मविश्वास बनाए रखते हैं। वे भी उसी मानसिकता को अपनाना चाहते हैं और टीम के लिए भरोसेमंद फिनिशर बनना चाहते हैं।

मुकुल चौधरी ने KKR के खिलाफ अर्धशतकीय पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई।

राजस्थान एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस की तैयारी छोड़ी

मुकुल ने बताया कि बचपन में परिवार की हालत कमजोर थी और उन्हें क्रिकेट एकेडमी में दाखिला दिलाना आसान नहीं था। उस समय उनके पिता कॉलेज में पढ़ाते थे और राजस्थान एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस (RAS) की तैयारी कर रहे थे। ऐसे में मुकुल के पिता को फैसला लेना पड़ा- RAS की तैयारी जारी रखें या बेटे को क्रिकेट में आगे बढ़ाएं। उन्होंने तैयारी छोड़ दी, प्रॉपर्टी का काम शुरू किया और पैसे जुटाकर मुकुल को 12 साल की उम्र में सीकर की SBS क्रिकेट एकेडमी में दाखिला दिलाया।

जन्मदिन के दिन क्रिकेट की शुरुआत की

एकेडमी तक पहुंचना आसान नहीं था। 2015 में मुकुल जन्मदिन पर अपने पिता के साथ चूरू, झुंझुनूं और सीकर में एकेडमी तलाशने निकले थे। इसी दौरान उन्हें सीकर में नई SBS क्रिकेट एकेडमी मिली और वहीं से उनका सफर शुरू हुआ।

इससे पहले टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में मुकुल के पिता ने बताया था कि बेटे के लिए उन्होंने घर बेच दिया और कर्ज लिया।

मुकुल चौधरी ने 27 बॉल पर 54 रन की पारी खेली।

अंडर-23 से चमके, सबसे ज्यादा रन बनाए

मुकुल के परिवार में कोई क्रिकेट बैकग्राउंड नहीं था, इसलिए उन्हें शुरुआत में खेल की ज्यादा जानकारी नहीं थी। लेकिन मेहनत और पिता के समर्थन ने उन्हें आगे बढ़ाया। अंडर-23 लिस्ट-ए ट्रॉफी 2025-26 में मुकुल चौधरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उन्होंने 617 रन बनाए,इसी प्रदर्शन के दम पर उन्हें IPL में लखनऊ सुपर जायंट्स ने 2.60 करोड़ रुपए में खरीदा।

बेसबॉल खिलाड़ी ने पियानो से ठीक की अंगूठे की चोट

डॉक्टरों ने कह दिया था कि इसके लिए कोई सर्जरी या मेडिकल विकल्प नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

स्पोर्ट्स मेडिकल साइंस की दुनिया में एक कहावत है- 'जब डॉक्टर जवाब दे दें, तो समझो करियर खत्म।' लेकिन 41 साल के मैक्स शर्जर ने इस धारणा को गलत साबित कर दिया। बेसबॉल के इतिहास के सबसे घातक पिचर में से एक शर्जर के लिए यह सीजन केवल वापसी का नहीं, बल्कि एक 'चमत्कार' का है। जिस अंगूठे के दर्द ने उन्हें संन्यास की कगार पर खड़ा कर दिया था, उसका इलाज किसी अस्पताल में नहीं, बल्कि पियानो के जरिए मिला। दरअसल, शर्जर दो साल से दाएं हाथ के अंगूठे में सूजन और असहनीय दर्द से जूझ रहे थे। अमेरिका के टॉप सर्जन्स ने हाथ खड़े कर दिए थे। उनके पास इस दर्द का कोई सर्जिकल समाधान नहीं था। हालात इतने खराब हो गए थे कि पिछले सीजन शर्जर ने साथी खिलाड़ी क्रिस बासिट से कह दिया था कि अगर प्रैक्टिस के दौरान दर्द हुआ, तो वे खेल को अलविदा कह देंगे।

शर्जर की वापसी की कहानी टोरंटो के एक अपार्टमेंट से शुरू होती है। बच्चों को खेल-खेल में पियानो सिखाते वक्त उन्हें अहसास हुआ कि पियानो की भारी 'कीज' दबाते वक्त उनके अंगूठे में वह खिंचाव हो रहा है, जो कोई फिजियोथेरेपी नहीं दे पा रही थी। शर्जर ने कोई क्लासिकल संगीत नहीं सीखा था। उन्होंने यूट्यूब पर वीडियो देखकर 'डॉ. ड्रे' और 'एमिनेम' के रैप गानों की धुनें सीखीं। वे हर टूर पर अपना कीबोर्ड साथ ले जाने लगे। रात 11 बजे मैच खत्म होने के बाद वे होटल के कमरों में धीमी आवाज में घंटों पियानो बजाते, ताकि अंगुलियों के पोरों की मांसपेशियां मजबूत हो सकें।

फास्ट न्यूज

मधुबाला की बायोपिक में धुरंधर फेम एक्ट्रेस की चर्चा

मुंबई। हिंदी सिनेमा की खूबसूरत अदाकाराओं में गिनी जाने वाली मधुबाला की बायोपिक को लेकर लगातार चर्चाएं हो रही हैं। फिल्म में उनकी भूमिका कौन निभाएगा, इसे लेकर नए नाम सामने आ रहे हैं। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, लीड रोल के लिए सारा अर्जुन का नाम सबसे आगे है। फिल्म को संजय लीला भंसाली प्रोड्यूस करेंगे, जबकि निर्देशन जसमीत के रीन करेंगी।

स्विगी के को-फाउंडर लक्ष्मी रेड्डी ने इस्तीफा दिया

नई दिल्ली। फूड और ग्रोसरी डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी के को-फाउंडर लक्ष्मी नंदन रेड्डी ओबुल ने कंपनी के बोर्ड से इस्तीफा दे दिया है। स्विगी ने शुक्रवार को रेगुलेटरी फाइलिंग में इसकी जानकारी दी। ओबुल कंपनी में होल-टाइम डायरेक्टर और हेड ऑफ इनोवेशन की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। उनका इस्तीफा आज (10 अप्रैल) से प्रभावी होगा। कंपनी ने बताया कि ओबुल अब अपने दूसरे प्रोफेशनल हितों पर ध्यान देना चाहते हैं, इसलिए उन्होंने यह फैसला लिया है। ओबुल के जाने के साथ ही स्विगी के बोर्ड में कई महत्वपूर्ण नियुक्तियों और नियमों में बदलाव को भी मंजूरी दी गई है। स्विगी के बोर्ड ने रेनन डी कास्त्रो अल्वेस पिंटो को नॉमिनी डायरेक्टर के रूप में नियुक्त करने की मंजूरी दी है। वे प्रोसस वेंचर्स को लीड करेंगे। वे रोजर राबलाइस की जगह लेंगे, जो प्रोसस वेंचर्स में अपनी भूमिका बदलने के कारण स्विगी बोर्ड से हट रहे हैं।

सेंसेक्स 919 अंक चढ़कर 77,550 पर बंद

मुंबई। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन आज यानी शुक्रवार 10 अप्रैल को सेंसेक्स 919 अंक (1.20%) की तेजी के साथ 77,550 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 275 अंकों (1.16%) की तेजी रही, ये 24,050 पर पहुंच गया। आज के कारोबार में बैंकिंग और ऑटो शेयरों में खरीदारी रही। 1-2 दिन में अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली शांति वार्ता से निवेशकों में उत्साह है। इजरायल के लेबनान के साथ बातचीत के लिए सहमत होने से भी तनाव में कमी आने की उम्मीद जगी है।

धुरंधर 2 ने 23वें दिन कमाए ₹10.03 करोड़

फिल्म डकैत का ओपनिंग कलेक्शन हुआ ₹15 करोड़

मुबंई, एजेंसी

रणवीर सिंह स्टारर धुरंधर 2 ने शुक्रवार को दुनिया भर में 10.03 करोड़ की कमाई की। वहीं, अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर की फिल्म डकैतः एक प्रेम कथा ने शुक्रवार को यानी रिलीज के पहले दिन दुनिया भर में 15 करोड़ से ज्यादा की कमाई की। जिसके बाद यह फिल्म हिंदी और तेलुगु मार्केट में अदिवि शेष की सबसे बड़ी ओपनिंग बन गई। फिल्म ने पहले दिन 15 करोड़+ का कलेक्शन करने के बाद डकैतः एक प्रेम कथा को बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत मिली है। बता दें कि फिल्म में अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर के अलावा अनुराग कश्यप, प्रकाश राज, अतुल कुलकर्णी और जैन मैरी खान सहित अन्य कलाकार भी हैं। दूसरी ओर, धुरंधर 2 ने रिलीज के 23वें दिन (चौथे शुक्रवार) 6.70 करोड़ का इंडिया नेट कलेक्शन किया। ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म का कुल इंडिया ग्रॉस 1,263.26 करोड़ और नेट 1,055.12 करोड़ हो चुका है। ओवरसीज में 23वें दिन 2.00 करोड़ जोड़ते हुए कुल 408.00 करोड़ का कलेक्शन हुआ। इसके साथ फिल्म का वर्ल्डवाइड ग्रॉस 1,671.26 करोड़ पहुंच गया है। भाषा के हिसाब से 23वें दिन हिंदी से 6.50 करोड़, तमिल 0.07 करोड़, तेलुगु 0.09 करोड़, कन्नड़ 0.03 करोड़ और मलयालम 0.01 करोड़ की कमाई हुई। बता दें कि धुरंधर 2 भारतीय सिनेमा के इतिहास में चौथी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है।

रणवीर सिंह ने मोहन भागवत से मुलाकात की

नागपुर में रेशिमबाग स्मृति मंदिर पहुंचे, आरएसएस के संस्थापक हेडगेवार को श्रद्धांजलि दी

मुबंई, एजेंसी

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह नागपुर पहुंचे, जहां उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार के स्मारक पर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों से भी मुलाकात की। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, रणवीर सिंह ने आरएसएस के दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर के स्मारक पर भी जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। अभिनेता दोपहर करीब चार बजे मुंबई से विशेष विमान के माध्यम से नागपुर पहुंचे। इसके बाद वे रेशिमबाग स्थित हेडगेवार स्मृति मंदिर परिसर गए, जो आरएसएस का एक प्रमुख केंद्र माना जाता है। गौरतलब है कि इससे पहले रणवीर सिंह आरएसएस के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर एक वीडियो संदेश जारी कर संगठन को शुभकामनाएं दे चुके हैं। रणवीर सिंह का यह दौरा ऐसे समय में सामने आया है, जब उनकी फिल्म धुरंधर 2 ने सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म ने दुनियाभर में 1600 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई कर ली है। गौरतलब है कि इससे पहले रणवीर सिंह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर एक वीडियो संदेश जारी कर चुके हैं, जिसमें उन्होंने संगठन को अपनी शुभकामनाएं दी थीं। रणवीर सिंह का यह नागपुर दौरा ऐसे समय में सामने आया है, जब उनकी फिल्म Dhurandhar 2 (धुरंधर 2) सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन कर रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म ने दुनियाभर में 1600 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई कर ली है, जिससे यह वर्ष की बड़ी हिट फिल्मों में शामिल हो गई है। नागपुर में कार्यक्रमों को पूरा करने के बाद रणवीर सिंह शाम करीब आठ बजे विशेष विमान से वापस मुंबई लौट गए। उनके इस संक्षिप्त लेकिन चर्चित दौरे ने राजनीतिक और मनोरंजन जगत दोनों में हलचल पैदा कर दी है।

मोहन भागवत से मुलाकात की चर्चा

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, रणवीर सिंह ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से भी मुलाकात की। यह मुलाकात आरएसएस मुख्यालय में हुई बताई जा रही है, हालांकि संगठन की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। आरएसएस से जुड़े सूत्रों ने रेशिमबाग स्थित स्मृति भवन में उनके दौरे की पुष्टि की है, लेकिन इस यात्रा का उद्देश्य अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

> सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि रणवीर सिंह का यह दौरा भले ही संक्षिप्त रहा, लेकिन काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उन्होंने संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ कई विषयों पर चर्चा की, हालांकि इन चर्चाओं का विवरण सार्वजनिक नहीं किया गया है। हवाई अड्डा अधिकारियों ने भी उनके आगमन और प्रस्थान की पुष्टि की है। रणवीर सिंह शाम करीब आठ बजे वापस मुंबई लौट गए।

भीड़ में खड़ी रहीं अभिनेत्री, लोगों ने पहचानकर मांगे पोज, सोशल मीडिया पर यूजर्स के मजेदार कमेंट

एयरपोर्ट पर पब्लिक के बीच पहुंचीं करीना

मुबंई, एजेंसी

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री करीना कपूर एक बार फिर चर्चा में हैं, लेकिन इस बार वजह उनकी कोई फिल्म नहीं, बल्कि एयरपोर्ट पर हुआ एक दिलचस्प वाकया है। दरअसल, बॉलीवुड सितारे अक्सर अपने काम के चलते अलग-अलग जगहों पर आते-जाते रहते हैं और कई बार सार्वजनिक स्थानों पर आम लोगों के बीच नजर आते हैं। ऐसे में कभी-कभी उन्हें तुरंत पहचान पाना आसान नहीं होता। करीना कपूर के साथ भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला। हाल ही में वायरल हुए एक वीडियो में करीना कपूर एयरपोर्ट पर अपनी बारी का इंतजार करती नजर आ रही हैं। इस दौरान उनके पीछे खड़े एक अंकल ने उन्हें देखा, लेकिन पहचान नहीं पाए। वहीं, आसपास मौजूद अन्य लोगों ने जैसे ही करीना को देखा, वे उन्हें पहचान गए और उनसे तस्वीरों के लिए पोज देने का अनुरोध करने लगे। इसके बाद जब उस व्यक्ति ने दोबारा पीछे मुड़कर देखा, तो वह यह जानकर हैरान रह गया कि उनके पीछे खुद करीना कपूर खड़ी हैं। करीना कपूर का एक और वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वह अपनी गाड़ी से उतरकर एयरपोर्ट की ओर जाती दिखाई दे रही हैं।

करीना को नहीं पहचान पाए अंकल

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि करीना कपूर एयरपोर्ट पर नजर आईं। इस बीच वह पब्लिक में पहुंचीं। वह गेट पर अपनी बारी का इंतजार कर रही रहीं थीं। एक अंकल ने उन्हें पीछे मुड़कर देखा और उन्हें पहचान नहीं पाए। वहां खड़े बाकी लोगों ने जब करीना को देखा तो वो उन्हें पहचान गए। लोगों ने जब उन्हें पोज देने के लिए कहा तो अंकल ने दोबारा पीछे मुड़कर देखा और वह यह जानकर हैरान हुए कि उनके पीछे करीना कपूर खड़ी हैं।

सोशल मीडिया पर यूजर्स के मजेदार कमेंट

इस वीडियो के वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने जमकर प्रतिक्रिया दी। एक यूजर ने मजाकिया अंदाज में लिखा, "अंकल की किस्मत अच्छी है।" वहीं, दूसरे यूजर ने टिप्पणी की, "अब वह Sharmila Tagore जैसी लगने लगी हैं।"

हवाई अड्डे पर दिखा सादा अंदाज

करीना कपूर का एक और वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वह अपनी गाड़ी से उतरकर हवाई अड्डे की ओर जाती नजर आ रही हैं। इस दौरान उन्होंने हल्के आड़ू रंग का सूट पहना हुआ था और बाल खुले रखे थे। उनके मोबाइल के कवर ने भी लोगों का ध्यान खींचा, जो उनके कपड़ों से मेल खाता हुआ दिखाई दिया। उनके इस सादगी भरे अंदाज को प्रशंसकों ने काफी पसंद किया।

सलमान खान व्हीलचेयर क्रिकेटर भीमा खूंटी से मिले

टी-शर्ट पर ऑटोग्राफ दिया, रणवीर सिंह ने भी मुलाकात की

मुबंई, एजेंसी

जामनगर में अनंत अंबानी के 31वें जन्मदिन समारोह में शामिल होने के बाद एक्टर सलमान खान ने इंटरनेशनल व्हीलचेयर क्रिकेटर भीमा खूंटी से मुलाकात की और उनकी टी-शर्ट पर ऑटोग्राफ दिया। बता दें कि भीमा खूंटी एक अंतरराष्ट्रीय व्हीलचेयर क्रिकेटर हैं और गुजरात व्हीलचेयर क्रिकेट टीम के कप्तान हैं। वह पोरबंदर, गुजरात के रहने वाले हैं और एक मोटिवेशनल स्पीकर के रूप में भी पहचान रखते हैं। भीमा खूंटी ने अपने इंस्टाग्राम पर जो वीडियो पोस्ट किया है, उसमें देखा जा सकता है कि सलमान जामनगर से निकलते समय कड़ी सुरक्षा के बीच भीमा खूंटी से मिलने के लिए रुके। उन्होंने भीमा खूंटी की टी-शर्ट पर ऑटोग्राफ दिया और कुछ समय बातचीत भी की। सलमान से मिलने के बाद भीमा ने लिखा कि सपनों की कोई सीमा नहीं होती, वे सिर्फ हिम्मत देखते हैं। क्रिकेट के मैदान से लेकर सलमान खान से मुलाकात तक का सफर उनके लिए गर्व का पल रहा। वहीं, रणवीर सिंह भी जामनगर एयरपोर्ट पर भीमा खूंटी से मिले। वीडियो में रणवीर उनके सामने घुटनों पर बैठकर बातचीत करते, ऑटोग्राफ देते और हाथ मिलाते नजर आए। रणवीर सिंह से मुलाकात को लेकर भीमा ने इमोशनल पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि जिंदगी में कुछ पल ऐसे होते हैं जो कभी नहीं भूलते और आज का दिन उन्हीं में से एक था। भीमा ने रणवीर सिंह की सादगी, विनम्रता और सम्मान की भावना की जमकर तारीफ की।

भारतीय घरों में दुनिया के टॉप-10 बैंकों से ज्यादा सोना

इसकी कीमत 830 लाख करोड़, इतनी अमेरिका-चीन के अलावा किसी देश की जीडीपी नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय घरों और मंदिरों में 50,000 टन सोना रखा है, जिसकी वैल्यू करीब 10 ट्रिलियन डॉलर यानी लगभग 830 लाख करोड़ है। भारतीय व्यापारियों के संगठन एसोचैम (द एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया) की रिपोर्ट के अनुसार, यह दुनिया के सबसे बड़े 10 सेंट्रल बैंकों के कुल भंडार से भी ज्यादा है। भारतीयों के पास इतना सोना है कि अमेरिका और चीन को छोड़कर दुनिया के लगभग हर देश की सालाना GDP से भी ज्यादा है। एसोचैम का कहना है कि अगर इस सोने को देश के बैंकिंग सिस्टम या बिजनेस में लगाया जाए, तो भारतीय इकोनॉमी की रफ्तार कई गुना बढ़ सकती है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (WGC) के डेटा के अनुसार, भारत के आधिकारिक सरकारी खजाने (RBI) में 880.3 टन सोना है, जो दुनिया में 8वें नंबर पर है। यह अमेरिका के 8,133 टन के मुकाबले काफी कम है, लेकिन प्राइवेट स्टॉक में भारत सबसे आगे है। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज के अनुमान के मुताबिक, 2024 से 2026 के बीच सोने की कीमतों में आई तेजी ने भारतीय घरों की वेल्थ को जबरदस्त बूस्ट दिया है। वेल्थ का गणितः जनवरी 2026 तक भारतीय घरों में रखे सोने की वैल्यू 5 ट्रिलियन डॉलर से ऊपर निकल गई है, जो भारत की कुल जीडीपी का लगभग 125% है। बैंक डिपॉजिट से ज्यादाः परिवारों के पास बैंक डिपॉजिट और शेयर बाजार में लगे कुल पैसे की तुलना में सोने की वैल्यू 175% अधिक है। यानी भारतीयों का सबसे ज्यादा भरोसा आज भी सोने पर ही है। संपत्ति का हिस्साः भारतीयों की कुल 'नॉन-प्रॉपर्टी वेल्थ' (जमीन-मकान छोड़कर) में सोने की हिस्सेदारी 65% तक पहुंच गई है।

सीनियर सिटीजंस स्कीम से हर महीने 20,500 तक की कमाई

नई दिल्ली। सरकार ने अप्रैल-जून (Q1FY27) के लिए स्मॉल सेविंग स्कीम्स की ब्याज दरों में बदलाव नहीं किया है। यानी आपको पहले जितना ही ब्याज मिलता रहेगा। अगर आप सीनियर सिटीजन हैं और अपने लिए हर महीने इनकम का इंतजाम करना चाहते हैं तो पोस्ट ऑफिस सीनियर सिटीजंस सेविंग्स स्कीम अकाउंट (SCSS) आपके लिए सही रहेगा। इस स्कीम में एक मुश्त पैसा लगाकर आप अपने लिए रिटायमेंट के बाद भी रेगुलर इनकम का इंतजाम कर सकते हैं। इस पर 8.2% सालाना ब्याज मिल रहा है। इस स्कीम में हर 3 महीने में ब्याज दिया जाता है। यानी 3 महीने में अधिकतम 61,500 रुपए तक का ब्याज आप हासिल कर सकते हैं, जो मंथली बेसिस पर 20,500 रुपए होगा। पोस्ट ऑफिस सीनियर सिटीजंस सेविंग्स स्कीम में सिर्फ 1000 रुपए में अकाउंट खोला जा सकता है। इस स्कीम में ज्यादा से ज्यादा 30 लाख रुपए तक निवेश कर सकते हैं। इस स्कीम पर 8.2% सालाना ब्याज मिल रहा है।

ट्रम्प बोले- डील नहीं हुई तो फिर हमला करेंगे, ईरानी डेलिगेशन इस्लामाबाद पहुंचा

लेबनान में सीजफायर से पहले अमेरिका से बातचीत नहीं : ईरान

तेल अवीव/वॉशिंगटन, एजेंसी

ईरान ने अमेरिका के साथ प्रस्तावित बातचीत को लेकर सख्त शर्त रख दी है। संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकर गालिबाफ ने कहा है कि जब तक लेबनान में सीजफायर लागू नहीं होता तब तक बातचीत शुरू नहीं होगी। उन्होंने ईरान के फ्रीज किए गए फंड जारी करने की मांग की। गालिबाफ ने साफ किया कि ये दोनों मुद्दे वार्ता से पहले हल होना जरूरी हैं। इस्लामाबाद में दोनों देशों के बीच अहम बैठक होने वाली है। ईरानी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, पार्लियामेंट्री स्पीकर गालिबफ की लीडरशिप में ईरानी डेलीगेशन US अधिकारियों के साथ बातचीत के लिए इस्लामाबाद पहुंच गया है। वहीं अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस बातचीत के लिए पाकिस्तान रवाना हो गए हैं। उन्होंने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर वह ईमानदारी से बातचीत करेगा तो अमेरिका तैयार है, लेकिन 'खेल' करने की कोशिश पर सख्त जवाब दिया जाएगा। दूसरी तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अगर डील नहीं होती, तो अमेरिका फिर हमला करेगा। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी युद्धपोतों को सबसे बेहतरीन हथियारों से लैस किया जा रहा है। जरूरत पड़ने पर इनका इस्तेमाल किया जाएगा। ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकर गालिबाफ ने कहा है कि उनका देश बातचीत और समझौते के लिए तैयार है, लेकिन इसके लिए अमेरिका को ईमानदारी से समझौते की पेशकश करनी होगी और ईरान के अधिकारों को स्वीकार करना होगा। उन्होंने साफ कहा कि ईरान के पास सद्भावना है, लेकिन अमेरिका पर भरोसा नहीं।गालिबाफ इस समय इस्लामाबाद में वार्ता के लिए पहुंचे ईरानी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं। संगठन ने इजराइली सरकार से इन फैसलों को वापस लेने, अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करने और कब्जे वाले क्षेत्रों में फिलिस्तीनी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है। साथ ही EU ने कहा कि वह एक ऐसे स्थायी समाधान के पक्ष में है, जिसमें इजराइल और फिलिस्तीन दोनों देश सुरक्षित सीमाओं के भीतर शांति से साथ रहें।

अमेरिका-ईरान के बीच इन मुद्दों पर बातचीत होनी है

- ईरान का न्यूक्लियर प्रोग्राम- अमेरिका का कहना है कि ईरान में कोई संवर्धन नहीं होगा। ईरान को अपना सारा हाई-लीवल इनरिच्ड यूरेनियम बाहर करना होगा और न्यूक्लियर फैसिलिटीज बंद या सीमित करनी होंगी।
- स्ट्रेट ऑफ होर्मुज- दुनिया का बहुत सारा तेल और गैस इसी रास्ते से गुजरता है। ईरान अभी भी इसका नियंत्रण रखना चाहता है और टोल (फीस) लेने की बात कर रहा है। वहीं, अमेरिका चाहता है कि रास्ता पूरी तरह खुला और सुरक्षित हो, बिना किसी रुकावट या फीस के।
- बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम- अमेरिका ईरान की लंबी दूरी की मिसाइलों पर रोक लगाना चाहता है।
- सैंक्शंस हटाना- ईरान चाहता है कि सभी अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध तुरंत हटा दिए जाएं, फ्रोजन एसेट्स वापस मिलें और मुआवजा भी मिले।

ज्योतिबा फुले की जयंती मनाने लखनऊ पहुंचे भूपेश बघेल, बोले- उन्होंने महिला शिक्षा पर काम किया

'एसआईआर से न सीएम योगी खुश, न अखिलेश'

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में कांग्रेस आज (11 अप्रैल को) ज्योतिबा फुले की जयंती मना रही है। यहां छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी पहुंचे। उन्होंने SIR पर कहा कि इस प्रक्रिया से न सीएम योगी खुश हैं और न ही विपक्ष के नेता अखिलेश यादव। जब सरकार में बैठे लोग ही SIR से संतुष्ट नहीं हैं तो इसमें हम अपना क्या ही बताएं। ज्योतिबा फुले के लिए कहा कि उन्होंने महिलाओं के लिए स्कूल खोले। महिलाओं की शिक्षा के क्षेत्र में काम किया। बता दें कि लखनऊ में ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती कांग्रेस वैज्ञानिक जाति जनगणना दिवस के रूप में मना रही है। आज मैं आपके सामने खड़ी

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के मार्स ऑडिटोरियम में कांग्रेस के नेताओं का जुटान हुआ है।

हूं एक बेटी के रूप में एक जनप्रतिनिधि के रूप में कांग्रेस के कार्यकर्ता के रूप में उसे विचारधारा के भी न्यू अगर किसी ने रखी थी तो उसे ज्योतिबा फुले ने 200 वर्ष पहले लिखी थी।

आराधना मिश्रा बोलीं- कांग्रेस ने ज्योतिबा फुले की विचारधारा को बढ़ाया

कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने ज्योतिबा फुले की विचारधारा को आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा- आज हम ऐसे व्यक्तित्व को श्रद्धांजलि देने के लिए यहां पर मौजूद हैं जो साधारण व्यक्ति नहीं थे। जिन्होंने आज से 200 वर्ष पहले महिलाओं की बेटियों के अधिकार और समानता की लड़ाई लड़ी, आज अभी बघेलजी ने जो कहा उसे जोड़कर एक बात कहूंगी।

"कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव के. राजू ने कहा- जो सोच बाबा साहब अंबेडकर ने पूरे देश में रखी, उस सोच का मूल महात्मा फुले का है। उन्होंने ही हमारे देश में नए भारत में न्याय संघर्ष के लिए नींव रखी। आप सभी से रिक्वेस्ट करूंगा कि महात्मा फुलेजी की किताब आप सबलोग पढ़ना क्योंकि बहुत ही महत्वपूर्ण पुस्तक है जिसे महात्मा फुलेजी ने लिखा था।

ऑडिटोरियम में कांग्रेस के नेता और पदाधिकारी बैठे हुए हैं।

जाति जनगणना को वैज्ञानिक तरीके से कराने की मांग करेंगे : मनोज

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पिछड़ा वर्ग अध्यक्ष मनोज यादव ने बताया कि ज्योतिबा फुले के 200वीं जयंती पर हम लोग यहां पर एक बड़े कार्यक्रम का आयोजन किए हैं। इसमें ओबीसी समाज से जुड़े हुए कांग्रेस पार्टी के सभी बड़े चेहरे यहां पर मौजूद होंगे। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह बघेल समेत अन्य कई बड़े चेहरे भी यहां पर होंगे। हम जातिगत जनगणना को वैज्ञानिक तरीके से करने की यहां पर मांग करेंगे और तमाम अलग-अलग विषयों पर भी चर्चा करेंगे। महात्मा बापू ने कहा कि इस समाज में अपर कास्ट शूद्र और अति शूद्र को परेशान करने के लिए धर्म शूद्र और अति शूद्र को गुलामी के लिए रखा। इसीलिए उन्होंने कहा कि सबलोग के पढ़ने से ही बदलाव आएगा।

समाज सुधार में ज्योतिबा फुले का योगदान अविस्मरणीय रहेगा : श्री केशव प्रसाद मौर्य

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ में शनिवार को उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। यह कार्यक्रम 7-कालिदास मार्ग स्थित उनके कैम्प कार्यालय में आयोजित किया गया, जहां उन्होंने फुले के स्मृति चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि दी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले भारतीय समाज के ऐसे महान व्यक्तित्व थे, जिन्होंने सामाजिक समता, शिक्षा के प्रसार और नारी सशक्तिकरण के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि फुले जी के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उनके समय में थे, और वर्तमान समाज को सही दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ज्योतिबा फुले केवल एक समाज सुधारक नहीं, बल्कि एक प्रखर विचारक, लेखक और क्रांतिकारी दार्शनिक भी थे। उन्होंने समाज में व्याप्त कुरीतियों, जातिगत भेदभाव और सामाजिक असमानताओं के खिलाफ आजीवन संघर्ष किया। उनके प्रयासों ने समाज के वंचित और कमजोर वर्गों को नई पहचान और अधिकार दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उप मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से फुले जी के स्त्री शिक्षा के क्षेत्र में योगदान को याद करते हुए कहा कि उस दौर में जब महिलाओं की शिक्षा को महत्व नहीं दिया जाता था, तब उन्होंने न केवल महिलाओं की शिक्षा का समर्थन किया, बल्कि इसके लिए ठोस कदम भी उठाए। उन्होंने कहा कि आज जो भी सामाजिक बदलाव हम देख रहे हैं, उसमें फुले जैसे महान व्यक्तित्वों का बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने आगे कहा कि आज के समय में समाज को एकजुट और सशक्त बनाने के लिए महात्मा फुले के आदर्शों को आत्मसात करना बेहद आवश्यक है। यदि उनके विचारों को व्यवहार में लाया जाए, तो एक समरस, समानता आधारित और प्रगतिशील समाज का निर्माण संभव है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने भी महात्मा ज्योतिबा फुले के जीवन और विचारों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर सामाजिक समरसता, शिक्षा के प्रसार और महिलाओं के सशक्तिकरण को आगे बढ़ाने का संकल्प भी लिया गया।

फास्ट न्यूज

दुबई से आ रहे विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

लखनऊ। लखनऊ एयरपोर्ट पर शनिवार सुबह दुबई से काठमांडू जा रहे विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। काठमांडू में मौसम खराब होने पर वहां लैंडिंग की परमिशन नहीं मिली। उसके बाद पायलट ने लखनऊ एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को कॉल किया और लैंडिंग की अनुमति मांगी।अनुमति मिलने के बाद विमान को सुबह 8:22 बजे अमौसी एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतारा गया।

मॉर्निंग वॉक पर वकील की हत्या

मिर्जापुर। मिर्जापुर में शनिवार सुबह 7.15 बजे मॉर्निंग वॉक पर निकले सीनियर वकील की गोली मारकर हत्या कर दी गई। दो हमलावर बाइक से आए। उन्हें रास्ते में रोका और सीने में तमंचा सटाकर गोली मार दी। खून से लथपथ वकील जमीन पर गिर पड़े। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पूरी वारदात CCTV में रिकॉर्ड हो गई। वकील का नाम राजीव सिंह (45) है। उनकी पत्नी ग्राम प्रधान हैं। खुद भी 2 बार प्रधान रह चुके थे। वारदात के बाद भागते वक्त हमलावरों की बाइक बंद हो गई। लोग उन्हें पकड़ने दौड़े तो उन्होंने तमंचा तान दिया। डरकर लोग पीछे हट गए। घटना जिला मुख्यालय से 2 किलोमीटर दूर कटरा कोतवाली क्षेत्र के कतवारु का पुरा मोहल्ले की है।

हेल्थ अफसर की पत्नी कार में जिंदा जली

बदायूं। बदायूं में चलती कार में आग लगने से हेल्थ अफसर की पत्नी जिंदा जल गई। पति किसी तरह कार से बाहर निकल आया, लेकिन पिछली सीट पर लेटी पत्नी बाहर नहीं निकल सकी। लॉक कार में फंसी पत्नी आग की लपटों के बीच चीखती-चिल्लाती रही, लेकिन उसकी कोई मदद नहीं कर सका और वह सबकी आंखों के सामने धू-धू कर जलती रही। हालांकि, गांववालों की सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची।

स्मार्ट मीटर के बिल देखकर रोई महिला

1912 के मुख्यालय में जुटे लोग, बोले- कनेक्शन कटने के बावजूद बढ़ा यूनिट

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में स्मार्ट मीटर का विरोध तेज हो गया है। लोग अपने पावर हाउस के अलावा 1912 के मुख्यालय में भी बिल जमा करने के लिए लाइन में खड़े हो रहे हैं। उनका कहना है कि काम छोड़कर बिल जमा करने आए, यहां सर्वर डाउन हो गया। बिल भी बढ़कर आ रहा है। आत्महत्या करने को मन कर रहा है। बिल माइनस में होने के बाद कनेक्शन कट गया। उसके बावजूद यूनिट का मीटर बढ़ रहा है। स्मार्ट मीटर उपभोक्ता किस स्थिति में बिल जमा कर रहे हैं, उन्हें क्या परेशानियां हो रही हैं, कैसे अपने कनेक्शन को बरकरार रखने की कोशिश कर रहे हैं, यह जानने के लिए रिपोर्टर शुक्रवार को बर्लिंगटन चौराहे स्थित 1912 के मुख्यालय पहुंचा। यहां सर्वर डाउन होने से कई लोग घर

लौट रहे थे तो कई अब भी लाइन में खड़े थे। एक महिला समस्या पूछने पर रोने लगी। बालू अड्डा की प्रीति कन्नौजिया ने कहा कि 1 अप्रैल को 1700 रुपए जमा किए थे। अब 4 हजार रुपए फिर जमा करने को कहा जा रहा है। इसमें कहा जा रहा है कि एडवांस में पैसा जमा किया जाए। इतना पैसा भी नहीं है। हमारे मोहल्ले में किसी को पता नहीं चला और बिजलीकर्मी पुराना मीटर उखाड़कर चले गए। मोहल्ले में सभी लोग विरोध करने को तैयार हैं।

'जिसको शांति से मतलब नहीं, वह सुलह करा रहा'

लखनऊ में सलमान खुर्शीद बोले- एसआईआर महत्वपूर्ण काम, इसमें नाम जुड़वा लें

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ में आयोजित कांग्रेस के अधिवक्ता सम्मेलन में पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता Salman Khurshid ने अंतरराष्ट्रीय मुद्दों और देश की राजनीति पर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान की मध्यस्थता पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जिस देश को शांति से कोई लेना-देना नहीं है, वही आज विश्व शांति का मध्यस्थ बन बैठा है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति कहीं न कहीं भारत की कूटनीतिक कमी को भी दर्शाती है। उनके अनुसार, भारत के पास वैश्विक स्तर पर नेतृत्व करने की क्षमता थी, लेकिन मौजूदा समय में उसका सही उपयोग नहीं किया गया। सलमान खुर्शीद ने कहा कि अगर भारत अपनी विदेश नीति और कूटनीतिक ताकत का सही तरीके से इस्तेमाल करता, तो आज वह इस तरह की अंतरराष्ट्रीय वार्ताओं में अग्रणी भूमिका निभा रहा होता।

उन्होंने पाकिस्तान द्वारा निभाई जा रही मध्यस्थता पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह भारत के लिए सोचने का विषय है। सम्मेलन के दौरान उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया को लेकर भी महत्वपूर्ण बात कही। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के नाम सूची से हट गए हैं, उनके पास अभी समय है और उन्हें इस अवसर का सदुपयोग करते हुए अपने नाम दोबारा जुड़वाने चाहिए।

उन्होंने इसे एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया बताते हुए सभी से इसमें सक्रिय भागीदारी की अपील की।

'संविधान को बचाना लक्ष्य'

सलमान खुर्शीद ने कहा कि अधिवक्ता संविधान की लड़ाई लड़ रहे हैं और आज हम लोग इन्हें अधिवक्ताओं के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन कर रहे हैं। इसका लक्ष्य है कि इस कार्यक्रम से जो हम लोगों को प्रेरणा मिले, उसे आम जनता तक पहुंचाया जाए। संवैधानिक व्यवस्था को सुरक्षित करना एक बड़ी चुनौती है मौजूदा समय में जिससे हम संगठित होकर करेंगे। संविधान को बचाना और जन-जन को न्याय दिलाना ही हमारा सबसे बड़ा लक्ष्य है।

यह सम्मेलन लखनऊ के कैसरबाग स्थित गांधी भवन में आयोजित किया गया, जिसमें कांग्रेस की लीगल टीम से जुड़े अधिवक्ता, सदस्य और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम में अभिषेक मनु सिंघवी, अजय राय, अविनाश पांडे समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

ज्योतिबा फुले जयंती के अवसर पर आयोजन यह अधिवक्ता सम्मेलन ज्योतिबा फुले की जयंती के अवसर पर आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का उद्देश्य संगठन को मजबूत करना और अधिवक्ताओं की भागीदारी को बढ़ाना बताया गया। सम्मेलन के दौरान उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया को लेकर भी महत्वपूर्ण बात कही। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के नाम सूची से हट गए हैं, उनके पास अभी समय है और उन्हें इस अवसर का सदुपयोग करते हुए अपने नाम दोबारा जुड़वाने चाहिए। उन्होंने इसे एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया बताते हुए सभी से इसमें सक्रिय भागीदारी की अपील की।

कांग्रेस के अधिवक्ता सम्मेलन में बड़ी संख्या में वकील और कांग्रेस नेता शामिल हुए।

'यूपी में अधिवक्ता सुरक्षित नहीं है'

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि हम लोग जहां अधिवक्ता सम्मेलन कर रहे हैं, उनका सम्मान कर रहे हैं। वहीं, मिर्जापुर में एक अधिवक्ता की हत्या कर दी गई। प्रदेश में जंगल राज है और इस जंगल का राजा सरकार का मुखिया है। भाजपा अपराधियों को संरक्षण दे रही है। लगातार अधिवक्ताओं पर हमले हो रहे हैं, हत्या हो रही है और अपराधी बनाकर उनका एनकाउंटर किया जा रहा है। अगर पिछली घटनाओं पर मजबूत कार्रवाई हो जाती तो आज एक और वकील की हत्या न होती।

कट बंद करने के विरोध में प्रदर्शन, 25 पर एफआईआर

लखनऊ में कानपुर रोड पर पुलिस ने बंद किया था कट, व्यापारियों ने किया था प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ के सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में कानपुर रोड पर चिल्लावां गांव जाने वाले मुख्य मार्ग पर अवैध कट बंद किए जाने के विरोध में प्रदर्शन और सड़क जाम करने के मामले में पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। सरोजनी नगर थाने के उप निरीक्षक अवनीश वर्मा ने इस संबंध में तीन नामजद सहित करीब दो दर्जन से अधिक लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। उपनिरीक्षक अवनीश वर्मा के अनुसार, यह घटना 9 अप्रैल 2026 की है। यातायात पुलिस ने एक अभियान के तहत फर्रुखाबाद-चिल्लावां के पास स्थित अंग्रेजी मॉडल शॉप के सामने लखनऊ-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग के डिवाइडर पर बने अवैध कट को क्रेन की मदद से बंद कर दिया था। पुलिस के समझाने के बावजूद प्रदर्शनकारी नहीं माने और नारेबाजी करते हुए मार्ग

अवरुद्ध रखा। पुलिस ने बताया कि एमसी तिवारी, राकेश (किराना स्टोर संचालक) और बृजेंद्र शर्मा उर्फ पप्पू सहित 20-25 अन्य अज्ञात लोगों ने मिलकर सड़क जाम किया और आवागमन प्रभावित किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए, उपनिरीक्षक अवनीश वर्मा ने उच्च अधिकारियों को सूचित किया और अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया। इसके बाद स्थिति को नियंत्रित किया जा सका। पुलिस के मुताबिक, उक्त अवैध कट के कारण आए दिन सड़क हादसे होते थे। यातायात व्यवस्था भी लगातार प्रभावित रहती थी। इसी वजह से इसे बंद करने का निर्णय लिया गया था। फिलहाल, आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

स्थानीय लोगों के साथ व्यापारियों ने किया था प्रदर्शन

इस कार्रवाई से नाराज स्थानीय लोगों के साथ व्यापारियों ने उसी दिन शाम करीब 6 बजे हाईवे पर जाम लगा दिया, जिससे यातायात बुरी तरह बाधित हो गया। सूचना मिलने पर उपनिरीक्षक अवनीश वर्मा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और यातायात पुलिस कर्मियों के सहयोग से लोगों को समझाने का प्रयास किया।

घटना : दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर, युवती समेत 2 घायल

हादसे में 3 युवकों की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

बिल्हौर। कानपुर के बिल्हौर थाना क्षेत्र के उत्तरीपुरा कस्बे में शुक्रवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवती समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा रात करीब 12 बजे जीटी रोड पर यूनियन बैंक के पास हुआ, जब दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों बाइकें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं और सभी सवार सड़क पर जा गिरे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी पांचों घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) शिवराजपुर भेजा। जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद रघुवर (21), जतिन राठौर (20) और ओमजी (23) को मृत घोषित कर दिया। वहीं राहुल और उनकी बहन कविता को प्राथमिक उपचार के बाद

कानपुर रेफर कर दिया गया। जतिन राठौर अपने परिवार का मेहनती सदस्य था और मोमोज का काम करता था। एक वर्ष पहले ही उसके बड़े भाई की भी सड़क हादसे में मौत हो चुकी थी। अब दूसरी बार हादसे ने परिवार को गहरा सदमा दिया है।

हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया। सीएचसी पहुंचे परिजन अपने बच्चों की मौत की खबर सुनकर बेहाल हो गए। गांव और कस्बे में भी शोक की लहर दौड़ गई।

हेलमेट न पहनना पड़ा भारी

पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों बाइकों पर सवार युवक बिना हेलमेट के थे, जिससे हादसे में गंभीर चोटें आईं और तीन की जान चली गई। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। उत्तरीपुरा निवासी ओमजी बचपन से ही संघर्ष कर रहे थे।

खेती में हाथ बंटाता था रघुवर

खजुरिया निवादा निवासी रघुवर अपने पिता के साथ खेती-किसानी में हाथ बंटाता था। उसकी असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। चौकी प्रभारी अमित कुमार के मुताबिक तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पृष्ठ 01 का शेष...

'भारत हर संकट ...

अंडर पास बनाए गए हैं। अवध चौराहे पर बने अंडर पास का जल्द उद्घाटन किया जाएगा। रक्षामंत्री ने डॉक्टरों का सम्मान किया। इसके साथ ही लक्ष्मण मंडपम गणेशगंज, सामुदायिक केंद्र सुदर्शनपुरी-ऐशबाग, देव वन नक्षत्र वाटिका और गोमती नगर के विनीत खंड स्थित ई- लाइब्रेरी, लखनऊ संस्कृति एवं कला संग्रहालय (म्यूजियम) हुसैनाबाद चौक का बटन दबाकर उद्घाटन किया। कार्यक्रम में मेयर सुषमा खर्कवाल, राज्यसभा सांसद संजय सेठ, विधायक नीरज बोरा, योगेश शुक्ला, ओपी श्रीवास्तव समेत बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि उनकी सरकार के रहते देश में कोई बड़ा संकट उत्पन्न नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोविड जैसे बड़े वैश्विक संकट का भारत ने मजबूती से सामना किया और उसी तरह वर्तमान परिस्थितियों से निपटने की पूरी क्षमता देश में है। उन्होंने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की स्थिति मजबूत मानी जा रही है और वर्ल्ड बैंक जैसे संस्थान भी मानते हैं कि भारत किसी भी संकट से निपटने में सक्षम है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि एनडीए सरकार के 12 वर्ष पूरे हो चुके हैं और इस दौरान कई चुनौतियों व विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए सरकार पहले से अधिक मजबूत होकर उभरी है। उन्होंने पश्चिम एशिया में जारी तनाव का जिक्र करते हुए कहा कि भले ही औपचारिक रूप से युद्धविराम की बातें सामने आई हों, लेकिन जमीनी हालात को देखते हुए यह मान लेना उचित नहीं होगा कि संकट पूरी तरह समाप्त हो गया है। उन्होंने बताया कि ऐसे हालात को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई है, जो स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। रक्षा मंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा कि देश में किसी भी संभावित संकट से निपटने के लिए पर्याप्त संसाधन मौजूद हैं। पेट्रोल, डीजल और कुकिंग गैस सहित आवश्यक वस्तुओं का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह से सुचारु है। विकास की रफ्तार यही नहीं रुकने वाली है। यह तो सिर्फ शुरुआत है यह पूरा कॉन्सेप्ट दिवाकर त्रिपाठी के द्वारा दिया जा रहा है या हर रोज कुछ नया बनाया जा रहा है हमारा निरंतर प्रयास रहेगा कि लखनऊ से संपन्न है और परिपूर्ण रहे। वैश्विक संकट है लेकिन आज भी दुनिया में सबसे तेजी से आगे बढ़ाने वाली अर्थव्यवस्था अगर किसी की है तो हमारे देश भारत की है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से और अधिक भूमि उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है, जिस पर सहमति भी मिल गई है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश, खासकर लखनऊ में बड़ी-बड़ी कंपनियां निवेश कर रही हैं। अशोक लीलैंड ने भी यहां अपने हैवी व्हीकल प्लांट की शुरुआत की है, जिससे रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों से स्थानीय लोगों को अब रोजगार के लिए दूसरे शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि उन्हें इस बात की विशेष खुशी है कि रक्षा क्षेत्र में भी लखनऊ तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि शहर में ब्रम्होस मिसाइल परियोजना का काम शुरू हो चुका है और इसकी पहली खेप सेना को सौंप दी गई है।

बंगाल की जनता ...

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने झारग्राम में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मंच पर बैठे पार्टी नेताओं से वोटिंग मशीनों की जांच करने की अपील की है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बीजेपी सरकार बनने पर राज्य में 'कट मनी', कमीशन और भ्रष्टाचार की व्यवस्था खत्म कर दी जाएगी। राज्य में रोजगार के नए अवसर पैदा किए जाएंगे, जिससे युवाओं को फायदा मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी के घोषणा पत्र के अनुसार, सरकार बनने के 45 दिनों के भीतर सरकारी कर्मचारियों को सातवें वेतन आयोग का लाभ दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मतदान से पहले EVM को जांचें और अगर कोई मशीन खराब लगे, तो तुरंत उसे बदलवाने की मांग करें। ममता ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा- SIR के दौरान 250 लोगों की मौत हुई और 90 लाख नाम हटाए गए, भाजपा बंगाल विरोधी और बाहरी लोगों के खिलाफ है, उन्हें अपने घर में घुसने मत दीजिए।

मोदी-राहुल की ...

राहुल गांधी सरकार की आलोचना करने के बाद अपनी सीट से उठकर सीधे PM मोदी के पास गए और उनके सीट पर बैठे रहने के दौरान ही पीएम को गले लगा लिया। प्रधानमंत्री पहले तो हैरान रह गए, लेकिन फिर उन्होंने राहुल को वापस बुलाकर हाथ मिलाया और बातचीत की। मोदी ने बाद में इस घटना को याद करते हुए मजाक में कहा कि मैं यहां (लोकसभा) आया और कई चीजें सीखीं। पहली बार मैंने गले लगाने और गले पड़ने में फर्क भी समझा। कांग्रेस नेताओं का एक दल 16 दिसंबर 2016 को पीएम मोदी से मिलने पहुंचा। यहां भी मोदी और राहुल की मुलाकात हुई। 2014 में कार्यभार संभालने के कुछ समय बाद पीएम मोदी ने भारत के पहले प्रधानमंत्री की 50वीं पुण्यतिथि पर शांति वन में राहुल गांधी से मुलाकात की थी। इसके अलावा राजघाट (महात्मा गांधी के समाधि स्थल) और शक्ति स्थल पर भी कई बार दोनों नेताओं ने एक-दूसरे का अभिवादन किया है।

यूपी पुलिस के इंस्पेक्टर का बाथरूम में शव मिला

सरकारी आवास में अकेले रहते थे, रात में ड्यूटी करके लौटे थे

क्राइम इंस्पेक्टर का शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची।

तमसा संकेत, एजेंसी

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में क्राइम इंस्पेक्टर राजेश कुमार (45) की मौत हो गई। शनिवार सुबह 11 बजे उनका शव पुवायां थाना कैंपस में बने सरकारी आवास के बाथरूम में मिला। देर तक ऑफिस न पहुंचने पर साथियों ने उन्हें कॉल किया। फोन उठा नहीं तो पुलिसकर्मी उनके आवास पर पहुंचे। कुछ देर खटखटाया, लेकिन कोई रिस्पांस नहीं आया। इसके बाद अंदर गए तो शव पड़ा हुआ था। पुलिस उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई। वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शुरुआती जांच में डॉक्टरों ने हार्ट अटैक से मौत की आशंका जताई है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम के बाद ही मौत

का सही कारण पता चलेगा। एसपी ग्रामीण दीक्षा अरुण भवरे ने बताया- मूलरूप से उन्नाव के रहने वाले थे। अगस्त 2025 में पुवायां थाने में क्राइम इंस्पेक्टर के पद पर आए थे। परिवार उन्नाव में ही रहता है। पुलिस ने आवास की जांच की तो कपड़े बाथरूम के बाहर रखे थे। उन्होंने शेविंग भी की थी। ऐसा लग रहा है कि वह नहाने की तैयारी कर रहे थे। पुलिस ने परिजनों को घटना की सूचना दी है। राजेश कुमार उन्नाव जिले के बाराह सगवतपुर थाना क्षेत्र के हिसथामपुर के रहने वाले थे।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676